यहुन्ना

बचनु देहधारी भवा

1 सुरू म बचनु रहई, अउर वचनु परमेसुर केर साथै रहइ, अउर वचनइ परमेसुर रहइ। 2यहइ सुरू म परमेसुर के साथे रहा।

3सबहि कुछु वहिते पइदा भवा अउर जउनु कुछु पइदा भवा वहिमा कउनउ चीज वहिके बिना पइदा नाही भई। 4वहिमा जीवनु रहइ अउर ऊ जीवनु मनईन केर जोति रहइ। 5अउर जोति अँधेरइ म चमकति हइ, अउर अन्धकारु वहिका गरहन नाहि किहिस।

6एकु मनई परमेसुर के ओर ते आइ परगट भवा जेहिका नामु यहुन्ना रहा। 7ऊ गवाही दिये खातिन आवा कि जोति केर गवाही देय जेहिते सब वहिके जरए बिसवासु लावैं 8ऊ खुदइ जोति नाइ रहा, मुला वहि जोति केर गवाही दियैक आवा रहइ। 9साँची जोति जउन हर यक मनई कइहाँ परकासित करत हये, जगत म आवे वाली रहइ।

10ऊ जगत म रहइ अउर जगत वहिके जरिये परगट भवा अउर जगत ऊका नाई पहिचानिसि। 11वहु अपै घरु आवा अउर वहिके अपनइ वहिका गरहन नाहीं किहिन। 12मुला जितने वहि का गरहन किहिन वइ वहिका परमेसुर केर सनतान होइकेर अधिकारु दिहिन अरथात वहिका जउन वहिके नामु पर बिसवासु राखति हइँ। 13ऊ न तइ लोहू ते, न सरीर कि इच्छा ते, न मनई कि इच्छा ते मुला परमेसुर ते पइदा भये हुइं।

14अउर वचन देहधारी भवा, अउर अनुगरह अउर सच्चाई ते पूरा होय कै हमरे बीच मां डेरा किहिसि। अउर हमयूं वहिकी अइसि महिमा देखेन जइसन बापु केर एकलौता बेटवा के होत हइ।

15यहुन्ना ऊके बारे म गवाही दिहिसा अउर पुकारि केर कहिसि कि ई उहइ हइ जेकरे बारे म हम तोसे कहे रहे, कि ऊ जउन हमेर बारे मा आइ रहा हइं, ऊ हमसे बढ़ि कै हइ, काहे ते ऊ हमते पहिले रहा। 16काहे ते उइकी परिपूरनता सइहन हम सबइ पाएन हइं। यानी अनुगरह प अनुगरह। 17यहिते बेवस्था तउ मूसा केर जरिये दीन गवा हइ मुला अनुगरह अउर सच्चाई यीसु मसीह केर जरिये पहुंचि हइ। 18परमेसुर कइहन कउनउ कबहूं नाई देखिसि, एकलौता पूत जउन बापु केर गोद मा हइ वही ऊ का परगट किहिस।

यहुन्ना बपतिसमादाता केर गवाही ई हय कि हम मसीह नाही हय

19यहुन्ना केर गवाही रहई हइ कि जब यहूदिन यरुसलेम सइहन याजकन अउर लेबियन क ऊते यहु पूछे कइहन भेजिन कि तु कउन हइ ? 20तबइ ऊ यहु मान लिहिसि अउर इनकार नाही किहिसि मुला मानि लिहिस कि हम मसीह नाहीं हन।

21तबइ ऊ उहिते पूछिसि, फिर तू कउन हओ? का तू एल्लियाह हओ? ऊ कहिसि हम नाई हन, तउ का तूं ऊ नबी हओ? ऊ जवाबु दिहिसि कि नाई।

22तबइ ऊ उहिते पूछिसि, आखिर तू कउनु हओ? जेहिते हम अपन भेजै वालेन का जबाबु देई। तू अपन बारे म का कहत हओ।

23ऊ कहिसि–जइसन यसायाह नबी कहिसि हइ, हम जंगल मं यक पुकारै वाले केर आवाज हन कि तुम परभु केर मारग सीधा करउ।

24ई फरीसियन केर ओरे ते भेजे गये रहईं। 25वै ऊते परसनु किहिन जौ तू मसीह नाही हौ। अउर न एल्लियाह अउर न ऊ नबी हइ तब बपतिसमा काहे देत हओ?

26यहुन्ना तिनका का जबाबु दिहिस, हम जौ पनिया सइहन बपतिसमा देइत है, मुला तोहरे बीच म एकु मनई ठाढ़ हइ, वहिका तू नाई जानति हौ। 27यानी हमरे बादइ आवइ वाला हइ, जेहिके जूतिन केर बन्धुन जउन खोलइके जोग हम नाई हन।

28सै बातैं यरदन नदिया केर पार वैतनियाह मइ

जहां यहुन्ना बपतिसमा देत रहइ।

यीसु परमेसुर केर मेमनवां

29दुसरे रोज यीसु केर अपन ओर आवत देखि केर
कहिसि कि देखउ ई परमेसुर केर मेमना हइ जउन
संसारु केर पापन क उठाइ लेइ जात हइ। 30ई उहै
हइ, जेके बारे मां हम कहित रहइ कि एकु मनई हमरे
पीछे आवति हइ जउन मोहिते सरेस्ठ हइ, काहे ते ऊ
हमरे ते पहिलेइ रहइ। 31अउर हम तउ ऊ का
पहिचानित नाई रहै, पर यहिते हम जलते पानी ते
बपतिसमा देत भये आवत कि उइ इसराएल पर
परगट होइ जाई।
32अउर यहुन्ना ई गवाही दिहिस कि हम कबूतर
केर समान आतमा कइहन आकास ते उतरत देखेन
हइ, अउर ऊ वहिपै ठहरि गवा। 33अउर हम तउ
वहिका पहिचानित नाइ रहइ जउन हमका पानी ते
बपतिसमा देइका भेजिसि, उइ मोहिते कहिसि कि
जउन व तू आतमा का उतरत अउर ठहरत देखइ वहइ
पवित्तर आतमा ते बपतिसमा देइ वाला हइ। 34अउर
हम देखेन अउर गवाही दीन हइ कि इहे परमेसुर के
बेटवा हइ।

यीसु केर पहिल चेले

35दुसरे दिन फिरु यहुन्ना अउर उइके चेलन मेते
दुइ जने ठाढ़ रहैं। 36अउर ऊ यीसु पै जउन जाइ रहा
रहै दोस्ती करि कइ कहिस देखउ, ई परमेसुर केर
मेमना हइ।
37तब उइ दूनउ चेले ऊ केर ई सुनिकइ यीसु के
पाछे होइ लिहिन। 38यीसु पाछे मुड़ि कइ अउर
उन्हका पाछे आवत देखिन तब उइते कहिन कि तू
केहिके खोज म हओ? उइ ऊते कहिन, हे गुरु आप
केहर रहत हओ? ऊ उनत कहिसि, चल केर देखि
लेऊ।
39तब उइ आइके ऊके रहइ केर जगह देखिन अउर
वहि दिन ऊके साथइ रहे। अउर दस बजे लगभग
रहइ।
40उइ दूनउ मते जउन यहुन्ना कि बात सुनि कइ
यीसु के पाछे होइ लिहै रहइ। एकु तौ समौन सुरु केर
समौन पतरस केर भाई अनद्रियास रहइ। 41ऊ पहिले
अपन भाई समौन ते मिलि कइ उहिते कहिसि कि
हमका खीस्तय यानी मसीह मिल गवा हइ। 42ऊ
वहिका यीसु केर पास लइ आवा है यीसु वहि पर
नजर डाल वहिका देखि कइ कहिसि तू यहुन्ना केर
बेटा समौन हइ जेके तुइ कैफा यानी पतरस कहिलइहइ।

फिलिप्पुस अउर नथैनिएल केर बुलावा

43दुसरे दिन यीसु गलील सूबा आइकै जानइक
चाहिसि अउर फिलिप्पुस ते मिलि कइ कहिसि हमार
पाछे होइ लेई।
44फिलिप्पुस तउ आन्द्रियास अउर पतरस केर
नगरु बैतसैदा क रहइ वाला रहइ। 45फिलिप्पुस
नतनएल ते मिलि कइ ऊ ते कहिसि ऊ हमका मिलि
गवा ऊ यूसुफ केर बेटवा यीसु नासरी हइ।
46नतनएल वहिते कहिस का कउनउ नीक वस्तु
नासरत ते निकरि सकत हइ? चलि कइ देखि लेव।
फिलिपुस कहिस।
47यीसु नतनएल केर अपन ओर आवत देखि के
ऊ के बारे म कहिसि देखउ ई सच्चई इसराएली हइ
यहिमा कपट नाही हइ।
48नतनएल वहिते कहिसि तू मोहिका कहां ते
जानत हइ? यीसु वहिका जवाबु दिहिस है वहिते
पहिले कि फिलिप्पुस तोहिका बुलाइसि जब तू अंजीर
के बिरवा केर नीचे रहेव, तबइ मै तुइका देखेन रहइ।
49नतनएल ऊका जबाबु दिहिस कि हे गुरु तू
परमेसुर केर बेटवा हइ? तू इसराएली केर महाराजा
हइ?
50यीसु वहिका जबाबु दिहिस जउन तोहिते कहिन
कि हम तो हिंका अंजीर के पेड़ तरे देखेन का तुइ
यहिते बिससवासु करत हौ? तू एहिते बड़े–बड़े
कमवा देखिहउ। 51फिर वहिते कहिसि हम तोहिते
सांच कहित हइ कि तुइं सरग कइहन खुला देखिओ
अउर परमेसुर के सरग दूतन का ऊपर जात अउर
मनईन केर बेटवा क उतरत देखिहउ।

यीसु पानी कइहन दाखरस मा बदलत हइ

2फिर तिसर दिन गलील केर काना मा इक
बियाहु रहइ, अउर यीसु के महतारी उहां रहइ।
2यीसु अउर ऊके चेलनउ ऊ विवाह म नेवते गए
रहइ। 3जबइ दाखरसु घटि गवा तबइ यीसु केर
महतारी उहिते कहिन कि उनहुन के पासइ दाखरसु
नाहीं रहा।
4तब यीसु ऊते कहिन हे मेहरारू मोहि तुमते का
काम? अबहीं हमार समय नाहीं आवा।
5ऊकी माहतारी सेवकनु ते कहिसि कि जउनु कछु
ऊ तुम्हते कही वही किहेउ।
6उहां यहूदिन केर सुध करै कि रीति के मुताबिक
पाथर के छ: मटका धरे रहइ जिनमा दुइ–दुइ,
तीन–तीन मन समात रहइ।
7यीसु वहिते कहिन कि मटकन म पानी भरि देव

सो उनहिन उन्हका मुहै मुँह तलक भरि दीन।
8तब यीसु वहिते कहिन कि अब निकारि कइ भोज
के पराधान केर पास लेई जाउ। 9उइ लय गये जब
भोज के परधान ऊ पानी चखिन जउन दाख रसु बनि
गवा रहइ, जेके परबन्ध करतौ नाहीं जानति रहइ कि
ऊ कहां ते आवा पर जिन सेवकन लोगन पानी
निकारिन रहइ, जानत रहइ। एके निकालिन रहे तब
भोज के परधान दुलहा के बुलाइस अउर ऊते
कहिस। 10हर एकु मनई पहिले नीक दाखरसु हेत हइ
अउर जवइ मनई पीकइ छकि जाति हइ तब बीच केर
देत हइ। पर तुइ तउ नीक वाला दाखरसु अबई तलक
राखि छोड़े रहेऊ।
11यीसु गलील परदेसवा केर काना नगर मां अपन
पहिल चीन्ह कामौं दिखाइकै आपन महिमा का परगट
किहिन अउर उन कै चेलवन ऊ पर विसवास
किहिन।

यीसु मंदिर मां

12यहि केर बाद ऊ अउर उइ केर महतारी अउर
ऊ केर भइया अउर उ के चेलन कफरनहूम केर गए
अउर उहां कुछु दिन रहे।
13यहूदिन केर फसह कै परब पास रहइ अउर यीसु
यरुसलेम केर गेए। 14अउर ऊ मंदिर मा बरधन अउर
भेड़न अउर कबुतरन केर बेचइ वालेन अउर सरराफन
केर बइठे दिखिन। 15अउर यीसु रस्सिन केर कोड़ा
बनाइके सब भेड़न अउर बरधन का मंदिर ते निकालि
दिहिस अउर सरराफन केर पइसा का बिखेरि दिहिस
अउर पीढ़न केर पलट दिहिस। 16अउर कबूतर बेचइ
वालेन ते कहिस कि इन्हका इहाँ ते लइ जाउ हमारे
बापु केर घर क व्यापार केर घरु न बनाउ।
17तबइ ऊके चेलन केर याद आवा कि धरम
सास्तर मां लिखा हये तोरे घर केर घुन मोहिका खाइ
जाइ।
18ई पर यहूदिन औसे कहिन तुई जउनुई करत हओ
ऊ (कमवा करे के तोहरे पास पास कउनो दावा है
सिद्ध करिहो। हमका कऊनो चिन्ह दिखइहउ)
19यीसु उन्हका जबाबु दिहिसि कि ई मंदिर क
ढ़हाइ देउ अउर हम ऊका तीन दिन मा खड़ा करि
देइब।
20यहूदियन कहिन ई मंदिर केर बनावै मा छियालिस
साल लगे हइ। अउर का तुइ वहिका तीनइ दिन म
खड़ा करि दे हौ? 21पर उहिने वास्तव म अपन सरीर
के मंदिर केर बारे म कहिसि रहै। 22तउन जब यीसु
मुरदन मां ते फिर जीवित भवा हइ तब उनके चेलन
क याद आवा कि उइ ई कहिन रहइ अउर ऊ पवित्तर
सास्तर अउर ऊ बचन का जउन यीसु कहन रहइ
बिसवासु किहिन।
23जबइ यीसु यरुसलेम मा फत्तह केर परब मा
रहइ अउर तबइ बहुतन उइ चिन्हन क जउनु ऊ
दिखावत रहइ देखि कइ ऊके नाम पइहन बिसवासु
किहिन। 24पर यीसु अपन आप क उन्हे के भरोसे
पइहन नाई छोड़िन काहे ते कि उइ सबइका जानत
रहा। 25अउर ऊ का परयोजन नाई रहा कि मनई के
बारे म कउनउ गवाही देइ, काहे ते ऊ आपइ जानत
रहइ कि मनई के मन मा का हइ?

यीसु निकोदेमुस केर सिच्छा

3 फरीसियन मा ते नीकुदेमुस नाम केर यक मनई
रहइ जउन यहूदिन केर सरदारू रहइ। ऊ यहूदियन
के सभाघर केर धर्मगुरु रहिस। 2ऊ राति क यीसु के
पास आइके अउर यीसु ते कहिसि, हे रब्बी हम
जानित हइ कि तू परमेसुर केर ओर ते गुरु होइके
आवा हओ काहे ते कउनउ मनई ई अचरज भेर
कामन क चीन्ह जउन तू दिखावत हइ अगर परमेसुर
उइके साथे न होइ तउ नाइ दिखाइ सकत।
3यीसु उहिका जबाबु दिहिन, हम तुइते सच्चे–सच्चे
कहित हइ कि अगर कउनउ मनई नवा रूप लइके न
पैदा होई तउ परमेसुर केर राजे देखि नाई सकता हइ।
4नीकु देमस ऊते पुछिस, मनई जब बूढ़ होइ गवा
तउ काहे ते जनम लेइ सकत हइ? का ऊ अपन
अम्मा केर गरभ म दुसरिउ बार परवेज करि कइ जनम
लेइ सकति हइ?
5यीसु जबाबु दिहिन कि हम तोहिते सच्चे–सच्चे
कहित हइ, जब तलक कउनउन मनई पानी अउर
आतमा ते न पैदा होइ तउ ऊ परमेसर के राज म
परवेस नाइ करि सकत। 6काहे ते जउन सरीर ते जनम
लेत हइ ऊ आतमा हइ। 7अचरज न करउ कि हम
तोहिते कहिस हइ, कि तोहिका नये सिरे ते जनम
लेइकै जरूरइ हइ। 8बयार जउन ओर चाहत हइ
वोहरेइ बहति हइ अउर तू उहिका सबद सुनत हइ पर
ई नाई जानत कि ऊ केहर सइहन आवत अउर कउने
ओर जात हइ?
9नीक दैमुस ऊका जबाबु दिहिसि कि ई बतिया
कइसन होइ सकता हइ।
10ई सुनि कइ यीसु उइते कहिन कि तू इसराएलियन
केर गुरू होइके ई बातन म नाई समझत। 11हम
तोहिते सही–सही कहित है कि हम जउनु जानित हइ
ऊ कहित हइ अउर जेहिका हम देखेन हइ की गवाही

देइत हइ मुला तुइ हमारि गवाही स्वीकारु नाइ करते
हौ। 12जबइ हम तोहिते जमिनियां केर बतियां कहित
हइ, तबउ तू बिसवासु नाई करत हइ तब जौ हम
तोहिते सरग की बातन का कहीं तब कइसन बिसवासु
करिहउ? 13अउर कउनउ सरग म नाई चढ़ा, खाली
वहइ जउन सरग ते उतरा यानी मनई केर बेटवा जउन
सरग म हइ। 14अउर जउने ढँग ते मूसा जंगल म
साँप कइहन ऊंचे प चढ़ाइसि रहा तउनइ ढँग ते
जरूरइ मनई क पूतन ऊंचे प चढ़ावा जाइ। 15ताकि
जउनउ कोई बिसवासु करइ उइ मां हमेसा ले जीवन
पाइ।

16काहे ते परमेसुर संसारु ते अइसइ परेम राखीस
कि अपनु एकलउता बेटवा देइ दिहिस ताकि जउन
कउनउ ऊ पै बिसवासु करइ ऊ नास न होय पर
अनगिनत जीवन पावइ। 17परमेसुर अपन बेटवा केर
संसारु म यहिते नाइ भेजिसि कि जगत पे दन्ड केर
आग्या देइ पर ई लिहे भेजिन कि जगत ऊ के जरिये
उद्धारू होइ। 18जउन वहिपे बिसवासु करत हइ ऊ
पइ दन्ड केर आग्या नाई होई, पर जउन मनई वहिपे
बिसवासु नाई करत ऊ दोसी ठहरा, काहे ते कि ऊ
परमेसुर क इकलौते बेटवा के नाम पे बिसवासु नाई
किहिस। 19अउर दन्ड केर आग्या केर कारन यहु हइ
कि जोति संसारु म आई हइ अउर मनईन अन्धेरे केर
जोती ते अंधिकइ पियारा जानिसि काहे ते उनकेर
काम नीक नाई रहै। 20काहे ते जउनु कउनउ बुराई
करति हइ ऊ जोतिते बैरु राखति हइ। अउर जोति के
नेरे नाइ आवति, अइस न होय कि ऊ केर कामन पर
दोसु लगावा जाय। 21पर जउन मनई सचाई पे चलत
हइ ऊ जोति केर नेरे आवति हइ, जेहिते ऊ के काम
परगट होय कि व परमेसुर कि ओर ते किएइ गए।

यीसु केर बारे मां यहुन्ना बपतिसमा दाता केर गवाही

22ई के बाद यीसु अउर उनकेर चेले यहूदिया देस
म आए अउर हुवा उनहुन के संगइ बपतिसमा देइ
लागे। 23अउर यहुन्ना यरुसलेम के नेरे एनोन म
बपतिसमा देत रहइ। काहे ते उहां बहुतइ ढेर सारा
पानी रहइ अउर मनई आके बपतिसमा लेत रहइ।
24काहे ते यहुन्ना उइ समय तलक जेल खाने म नाई
डारा गावा रहइ। 25उहां यहुन्ना केर चेलन क कउनउ
यहूदी के साथ सुद्धि के बारे म वाद–विवाद भवा।
26अउर वहू यहुन्ना के नेरे आइके ऊते कहिन हे रब्बी
जउन मनई जरदने के वहि पार आपके साथ रहइ
अउर जेहिकी तू गवाही दिहिस रहइ देखउ ऊ
बपतिसमा देत हइ, अउर सबइ मनई वहिके नेरे
आवत हइ।

27यहुन्ना जबाबु दिहिस जबइ तलक मनई क
सरग ते नदीन जाय तब तलक ऊ कछु नाई पाइ
सकति। 28तुइ तौ खुदइ हमार गवाह हउ कि हम
कहेन कि हम मसीह नाई हन पर ओसे पहिलेइ भेजे
गएन हइ। 29जेहिकी लुगाई वहइ हइ, उहै दुलहा हइ।
पर दुलहे क साथी जउन ओके पासे ठाढ़ रहत अउर
ऊ की बतिया सुनति हइ, दुलहे केर सबद ते बहुतइ
खुस होत हइ। अब हमार ई खुसी पूर भई हइ। 30ई
जरूरी हइ कि ऊ यीसु बढ़इ अउर हम घटी।

31यहुन्ना आगे कहत है, जउन ऊपर त आवत हइ
ऊ सबते उत्तम हइ जउन जमीन ते आवत हइ, ऊ
धरती केर हइ, अउर जमीन केर बतियां कहत हइ।
जउन सरग ते आत हइ, ऊ सबन के ऊपर हइ।
32जउन कछु ऊ देखिसि अउर सुनिस उही की
गवाही ऊ देत हइ अउर कउनिउ ऊ की गवाही
स्वीकार नाइ करत। 33जउनइ ओर गवाही स्वीकार
कइ लीन्हिसि, ऊ ई बात पे छाप दइ दिहिस कि
परमेसुर सच्चा हइ। 34काहे ते जेहिका परमेसुर
भेजिस हइ ऊ परमेसुर कि बातन केर कहत हइ, काहे
ते परमेसुर आतमा क नाप–नाप के नाई देत हइ।
35बापु बेटवा सइहन परेम राखत हइ। अउर ऊ सबइ
चीजन केर उहिके हाथ म दइ दिहिसि हइ। 36जउन
बेटवा पइहन बिसवासु करत हइ अनगिनत जीवन
उहिका हये। पर जउन बेटवा केर नाई मानत, ऊ
जीवन केर न देखी, मुला परमेसुर केर गुस्सा ऊ पै
रहत हइ।

सामरी मेहरारू ते यीसु

4 फरीसियन सुनिन हइ कि परभु कइहन मालूम
भवा कि उ यहुन्ना ते ढेर मनई क चेला बनावत
अउर उन्हका बपतिसमा देत हइ। 2अगरचे यीसु खुदइ
नाहीं, बल्कि उनकेर चेले बपतिसमा देत रहइ। 3तबइ
ऊ यहूदियन क छोड़ि कई गलील क चला गवा है।
4अउर ऊका सामरिया ते होईके जाब जरूरी रहइ।
5यहिते ऊ सूरवार नाम सामरिया केर एक नगर तलक
आवा, ई नगर जउन उई जमीन केर पासइ रहा
जेहिका याकूब अपन बेटवा यूसुफ केर दिहिसि रहइ।
6अउर याकूब केर कुँअव हुवैं रहइ यहिते यीसु मारग
क थका भवा ऊ कुँआ पे ऐसइ बइठ गवा अउर इ
बात छठे घंटे के लगभग घटी।

7इत्ते म एकु सामरी अउरतिया कुँआ पै पनिया
भरइ केर आई। यीसु ऊ ते कहिन मोहिका पनिया

पिलाउ। 8काहे ते वहिके चेले नगर म भोजनु मोलु
लइके गये रहैं।
9ऊ सामरी अउरत वहिते कहिसि तू यहूदी हुइ कइ
सामरी अउरतिया ते पनिया काहे मांगति हइ? काहे
ते यहूदी सामरियन के साथइ कउनउ परकार केर
बेवहार नाई राखत।
10यीसु जबाबु दिहिन कि जौ परमेसुर केर बरदानु
जानति अउर इहउ जानति कि ऊ कोनु हइ जउन तोसे
कहिसि हइ मोहिका पनिया पिलाउ तबु तुइ वहिते
मांगति अउर ऊ तोहिका जीवन केर पनिया देति।
11अउरतिया वहिते कहिस हे परभु तोहरे पासइ
पानी भरइक तउ कुछ हइअउ नाहीं अउर कुइयाँ गहिरे
हइ, तउ फिर ऊ जीवन केर पनिया तोहरे पासइ केहर
ते आवा। 12का तू हमार बापु याकूब सेइ हो बड़ा
हओ, जउन हमका ई कुइयाँ दिहिसि अउर खुदइ
अपन बाल–बच्चन अउर ढ़ोरन समेत वहिमा ते
दिहिन।
13यीसु वहिका जबाबु दिहिन कि जउन कउनउ ई
पनिया क पीहइं फिरउ पियासा होई। 14पर जउन
कउनउ जलु मां ते पीहइ जउन हम वहिका देइब ऊ
ओमे फिर दुबारा अनन्त कालु तलक पियासा न होई
हइ बल्कि जउन अनन्त जीवनु के खातिर उमड़त
रहिहइ।
15अउरतिया ऊते कहिसि हे परभु! ऊ जलु मोहिका
देय जेहिते हम कबौ पियासी न होई, अउर न जलु
भरइक इत्ती दूर आई।
16यीसु ऊ ते कहिन जाउ अपन मरद इहइँ बुलाइ
लाउ।
17अउरतिया कहिसि कि हम बिनइ मरद के हन।
18यीसु ऊते कहिन कि तू ठीकइ कहति है कि हम
बिनइ मरद के हन, काहे ते तुइ पांच मरद करि चुकी
हइ। अउर जेहिके साथे तुइ अब हइ, वहवु तोहार
मरद नाई, ई तोहि सचु कहेव हइ।
19अउरतिया यीसु ते कहिसि, हे परभु मोहिका
जान पड़त हइ कि तुइ कउनउ नबी हइ। 20हमरे
बापदादन इहे पहड़िया पे भजनु किहिन, अउर तुइ
कहति हइ कि ऊ जगह उ हेहर भजनु करइ चाही ऊ
यरुसलेम मा हइ।
21यीसु ओसे कहिन हे अउरतिया हमरी बतियन
पर बिसवासु करउ कि ऊ समयउ आइ गवा कि
जबइ तुइ न तो ई पहारु प बाप केर भजनु करिहउ
अउर न यरुसलेम म। 22तू जेहिका नाइ जानित
वहिका भजनु करति हउ, अउर हम जेहिका जानति
हइ ऊ का भजनु करति हइ, काहे ते उद्धारू
यहूदियन म ते होई। 23पर ऊ समय आवत हइ
बल्कि अबहू हइ जेहिमा साँचे भगत बापु केर भजनु
आतमा अउर सचाई ते करि हइ। काहे ते बापु अपनु
खातिर अइसन भजनु करइ वालेन क ढूढ़ति हइ।
24परमेसुर आतमा हइ, अउर जरुरइ हइ कि वहिके
भजनु करइ वलो आतमा अउर सचाई ते ओकी
भजनु करइ।
25अउरतिया वहिते कहिसि हम ई जानित हइ कि
मसीह जउन खीस्तुस कहावति हइ, आवइ वाला
हइ। जबइ ऊ आई तब हमका सबही बतिया बताइ
देइ। 26यीसु उइते कहिन कि हम जउन तोहिते कहिन
हइ वहइ हइ।

यीसु केर चेलवन आवत हये

27इतनेइ म ऊके चेलउ आइ गये अउर अचरज
करइ लागे कि ऊ (यीसु) एकइ अउरतिया ते बातइ
करत रहति हइ तउ प कउनउ चेलवे नाही पूछत हइ
कि तुइका का चाहत हइ या काहे उइते बातइ करति
हइ।
28तबइ अउरतिया अपन गगरिया छोड़ि कइ नगर
म चली गई, अउर लोगन ते कहइ लागी। 29आउ,
एकु मनई केर देखउ जाउन सबइ कुछ जउन हम
किहेन मोहिका बताइ दिहिसि, कहूँ इहइ तउ मसीह
नाइ हइ? 30सो वै मनई नगरु ते निकरि कइ ऊ के
पासइ आवे लाग।
31इत्ते म ऊ के चेलइ यीसु ते विनती करइ लाग।
कि हे रब्बी कछु खाइ लेउ।
32पर ऊ वहिते कहिन, हमरे पासइ खाइक अइसइ
भोजनु हइ जेहिका तुइ नाई जानति हइ।
33तबइ चेलइ आपस म कहिन का, कउनउ ऊ के
खातिर कछु खाइक लावा हइ?
34यीसु उनहुन ते कहिन हे हमार भोजनु ई हइ कि
हम अपन इक भेजई वाले कि मरजी के अनुसार इ
चली अउर ऊ का कामु पूरा करी। 35का तुम नाई
कहति कि फसल केर कटनी होइ म अबहूं चारि
महिनवा बाकी हइ, देखउ, तोसे कहित हइ कि अपन
अखियन क उठाइ कर खेतन पर दिरिस्टी डालउ कि
कटनी के खातिर पकि चुके हइ। 36अउर काटइ वाले
मजदूरी पाई अउर हमेसा कि जिन्दगिउ के खातिर
फलउ बटोरति हइ। जेहिते बोवइ वाल अउर खुसी
मनावइ। 37काहे ते ई पइ ई कहावत ठीकइ बइठति
हइ कि बोवइ वाल अउर हइ, अउर काटइ वाल
अउर 38हम तोहिका ऊ खेतवा केर काटइ के खातिर
भेजने जेहिमा तुइ मेहनति नाई किहिस दुसरेन परिसरम

किहिन अउर तू उनहुक परिसरम केर फलउ मा भागी
भयेउ।

बहुतै सामरियन केर यीसु पै बिसवासु

39अउर ऊ अउरतिया के कहे ते जउन ई गवाही
दीन रहइ कि ऊ सबइ कछु जउन हम कीन रहइ
मोहिका बताइ दिहिस उइ नगरु के बहुतइ सामरियन
मनई बिसवासु किहिन। 40तबउ जब ई सामरी ऊ
यीसु के पासइ आये तब यीसु ते विनती करइ लाग
कि हे हमरे इहां ठहरउ यहिते ऊ उहां दुइ दिन तलक
ठहरा रहा। 41अउर वहिके वचन के कारन अउरउ
बहुतेरेन बिसवासु किहिनि

42अउर उइ अउरतिया ते कहिन अब हम तोरे कहइ
ते बिसवासु नाई करित काहेते खुदइ सुन लिहेन अउर
जानित हइ कि इहइ सचमुच म संसारु केर उद्धारू
करता हइ।

यीसु एक ओहदेदार केर बेटवा क चंगा करत हय

43तबइ उन दुइ दिनन के बादि ऊ उहां ते चलि
कइ गलील परदेस क चला गवा है। 44काहे ते यीसु
खुदई गवाही दिहिन कि नबी अपन देस म आदरु
नाई पावत है। 45जबइ ऊ गलील परदेस म आवा
है तउ गलीली खुसी–खुसी उहिते मिले, काहे ते
जितनेइ काम ऊ यरुसलेम म परब केर समय किहिन
रहइ उइ उन सबका देखिन काहे ते उहू परब पै गइ
रहइ।

46तब ऊ फिर गलील केर काना म आवा जहां ऊ
पानी ते दाखरस बनाइसि रहइ अउर राजा केर एकु
करमचारी रहइ–जेहिका बेटवा कफरनहुम म बीमारु
रहइ। 47ऊ ई सुनि कइ कि यीसु यहूदिया केर गलील
म आइ गवा हइ। ऊ के पासे गवा अउर वहिते विनती
करइ लाग कि साथइ चलिके हमार बेटवा केर चंगा
करि देउ, काहे ते ऊ मरइ प हइ।

48यीसु ओते कहिसि कि जबइ तलक तू चीन्ह
अउर अचरज केर कामन क न देखिहउ तबइ तलक
कबहूं बिसवासु न करिहउ।

49राजा केर कमरचारी ऊते कहिसि, हे परभु हमार
बेटवा के मरइ ते पहिले चलउ।

50यीसु वहिते कहिन जाउ तोहार बेटवा जीवित
हइ। ऊ मनई यीसु कि बातय केर बिसवासु किहिस
अउर चला गवा। 51ऊ मारग म जाइ रहा रहइ कि
वहिके सेवकु वहिते आइ मिले अउर कहइ लाग कि
वहिका बेटवा जियत हइ। 52ऊ वहिते पूछिसि कि
कउन घरी ऊ अच्छा होय लगा? उइ ऊते कहिन कि
कल सातएँ घन्टे म वहिकर ज्वर उतरि गवा।

53तब बापु जानि गवा कि ई उहइ घड़ी भवा जेहि
घड़ी यीसु उहिते कहिन रहइ कि तोहार बेटवा जियत
हइ, अउर ऊ वहिके घराने के सबइ लोगन बिसवासु
किहिन।

54ई दूसर अचरज केर कामु रहइ जउन यीसु
यहूदियन ते गलील ते आइके दिखाइन।

जल कुन्ड पइ चंगाई

5 ऐसी बातन के बाद यहूदियन केर एकु परब
भवा अउर यीसु यरुसलेम क गये। 2यरुसलेम
म भेड़ फाटक केर पास एकु कुन्ड रहय जउनु इबरानी
भासा म बेतसइदा कइलावत रहय। अउर उहिके पांच
ओसारे रहइ। 3इन्हमां बहुतेरे रोगी अन्धे, लंगड़े अउर
सूखे अंगन वाले पनिया केर हिलइ कि आस म पड़ेइ
रहति रहइं। 4काहे ते ठीक नियत समय पे परमेसुर केर
सरग दूत कुन्ड मं उतरि कइ पनिया केर हिलावा
करति रहइ। पनिया के हिलतइ जउन कउनउ सबके
पहिलेइ पनिया म उतरति ऊ चंगा होइ जाति रहइ।
चाहे ऊ की कउनउन बीमारी काहे न होय। 5उहइ एकु
मनई रहइ जउन अड़तीस बरस ते बीमारी म पड़ा
रहइ। 6यीसु वहिका पड़ा भवा देखि कइ अउर जानि
कइ कि ऊ बहुतइ दिनन ते अइसन दसा म पड़ा हइ।
ओसे पूछिन का तुइ चंगा होइक चाहत हइ हौं।

7ऊ बीमारू वहिका जबाबु दिहिस कि हे परभु
हमरे पास कउनउ मनई नाई कि जब पनिया हिलावा
जाइ तउ हमका ई कुन्ड मां उतारेइ, पर हमरे
पहुंचत–पहुंचत दूसर हमते पहिलेइ पानी मां उतरि
पड़ति हइ।

8यीसु उहिते कहिन कि उठ अपन खटिया केर
उठाइ के चलउ फिर। 9ऊ मनई तुरतइ चंगा होइ गवा
अउर अपन खटिया केर उठाइ कइ चलइ फिरइ लाग।
10ऊ सबत के दिन रहइ, यहिते यहूदी वहिते जउन
चंगा भवा रहइ कहइ लाग कि आजु तउ सब तक
दिनु हइ तुहिका खटिया उठावबु उचित नाई हइ।

11वहु ऊ का जबाबु दिहिस कि जउन मोहिका
चंगा किहिस वहइ हम ते कहिसि अपन खटिया
उठाइकै चलउ फिरउ।

12उइ उहिते पूछिन कि ऊ कउनु मनई हइ जउन
तोहिते कहिसि कि खटिया उठाइ के चलउ फिरउ।

13पर जउन चंगा हुइ गवा हरइ ऊ नाई जानति रहइ
कि ऊ कउन हइ। काहे ते उइ जगह म भीड़ होइके
कारन यीसु उहां ते हटि गवा रहइ।

14ई बातन के बादि ऊ यीसु केर मंदिर म मिला

तब वहि ने ऊते कहा देखउ तुइ तउ चंगा हुइ गवा।
फिर ते पापु न किहेउ, ऐसन न होय कि यहिते कउनउ
भारी संकटु तोहि पे आई परइ। 15ऊ मनई जाइ के
यहूदियन ते कह दिहिस कि जउन मोहिका चंगा
किहिस ऊ यीसु हइ।

बेटवा दुआरा जीवन

16यहि कारन यहूदी यीसु क सतावइ लाग, काहे
ते कि ऊ अइस काम सबत के दिनन पे करत रहें
17इह पर यीसु उइते कहिन फिर हमार बापु अब
तलक कामु करत हइ अउर हमहूं कामु करित हइ।
18यहि कारन यहूदी अउरउ अधिक उके मारि डारइक
परयतन करइ लाग, कि ऊ न खाली सबत के दिननु
म विधि कानून क तोड़िसि हइ, पर परमेसुर क आपन
बापु कहिके आपने आप का परमेसुर क आपन बापु
कहिके आपने आप का परमेसुर के बराबर ठहरावति
हइ।

19ई पर यीसु उहिते कहिस कि हम तोहिते सच–सच
कहित हइ बेटवा अपन ते कछु नाइ करि सकत हइ,
खाली वहु जउन बाप क करत देखत हइ काहे ते
जउन कामन क ऊ करति हइ उनहिन केर बेटवउ उहइ
रीति ते करति हइ। 20काहे ते बेटवा परेम राखति हइ
अउर जउन–जउन कामन क ऊ खुदइ करति हइ ऊ
सबई वहिका दिखावति हइ अउर इततेउ बड़े कामुन
वहिका दिखाई जेहिते तुइ अचरज करइ। 21काहे ते
जइसन बाप मरे हुअन केर उठावति अउर जिलावति
हइ वइसइ बेटवउ जे का चाहति हइ ऊ का जिलावति
हइ। 22अउर बाप बेटवा केहुक नियावउ नाई करति,
पर नियावु करइ केर सबइ काम बेटवा केर सौंपि
दिहिन हइ। 23यहिते कि सबइ मनई जइसन बापु केर
समानु आदरु करत हइ बइसनेइ बेटवउ केर आदरु
करइ। जउन बेटवा क आदरु नाई करति।

24हम तोहिते सच–सच कहित हइ जउन मनई
हमार बचन केर सुनिकइ हमरे भेजइ वालेन क
बिसवासु करति हइ हमेसा केर अनन्त जीवनु ओहि
केर हइ। अउर वहिपे दन्ड कि आग्या नाई लेवत पर
ऊ मिरतु ते पार होइकइ जीवनु म परवेस करि चुका
हइ। 25हम तुहिते सांचि कहित हइ कि ऊ समय
आवति हइ अउर अबइ हइ जेहिमा मरइ वाले
परमेसुर के बेटवा क सबद सुनिहइं, जउन सुनिहइँ
वइ जी हइं। 26काहे ते जइसन बाप अपन आप म
जीवनु राखत हइ वइसेइ रीति ते बेटवा केर अधिकारु
दिहिनि हइ कि अपन आप म जीवन राखइ। 27
बल्कि वहिका नियाउ करइक अधिकारउ दिहिस हइ,
यहिते ऊ मनई क बेटवा हइ।

28इहिते सुनि केर अचरज न करेव, काहे ते ऊ
समयउ आवत हइ कि जितनेइ कबरन म हइं ऊ का
सबद सुनि कइ निकरि हइं। 29जउन भलाई कीन्ह हइ
उइ जीवनु केरे पुनुरुत्थान के खातिर जी उठि हइ
अउर जउन बुराई किहिन हइ इउ दन्ड केर पुनुरुत्थान
के खातिर जी उठि हइं। 30हम अपने आप ते कछु
नाई करि सकति। जइसइ सुनति हइ वइसइ नियायु
करति हइ अउर नियाउ सच्चइ हइ, काहे ते हम अपन
मरजी नाई पर अपन के भेजई वाले केर मरजी चाहित
हइ।

यीसु केर बारे मां साछी

31अगर हम अपइ गवाही देई तउ हमार गवाही
सच्चे न होई। 32एकु अउरउ हइ जउन हमार गवाही
देति हइ अउर हम जाति हइ कि हमरि जउन गवाही
देति हइ, ऊ सांची हइ।

33तुइ यहुन्ना ते पुछवाइसि अउर ऊ सांची गवाही
दिहिस हइ। 34पर हम अपन बारे म मनई केर गवाही
नाइ चहित तउ हम ई बतियन क यहिते कहित हइ
कि तोहिका मुक्ती मिलइ। 35ऊ तउ बरत अउर
चमकत भवा दीपकु हइ अउर तोहिका कछु देर तलक
ऊकी जोति मा मगन होब अच्छइ लाग।

36पर हमरे पासइ जउन गवाही हइ, ऊ यहुन्ना केरे
गवाही ते बड़ी हइ काहे ते जउन कामु बापु हमका
पूर करे का सौंपिन हइ। यानी इहइ कामु जउन हम
करित हइ उइ हमार गवाही हइ कि बापु हमका भेजिन
हइं। 37अउर बापु जउन हमका भेजिस हइ उहइ
गवाही दिहिस हइ, तुम लोगन कबहूं वहिका सबद
न सुनेउ हइं अउर न वहिका रूप देखेउ हइ। 38अउर
वहिके बचनन क मनमा थिर नाई राखति हउ, काहे
ते ऊ जेहिका भेजिस उइकी परतीति नाई करति हउ।
39तुम पवित्तर सास्तरन म खोजति हओ, काहे ते
समझति हओ कि वहिमा तोहिका हमेसा केर जीवनु
हइ। अउर ई वहइ हइ, जउन हमार गवाही देति हइ।
40तबहूं तुम जीवन पावइ के खातिर हमेर पास आवा
नाई चाहति।

41हम मनईन ते सम्मानु नाई चाहित। 42पर हम
तोहिका जानित हइ कि तोहिमा परमेसुर केर परेम नाई
हइ। 43हम अपन बापु के नाम ते आएन हइ अउर
तुम हमका स्वीकार नाई करति हउ जौ कउनउ अउर
अपनेइ नाम ते आवइ तउ वहिका स्वीकार करि
लेहउ। 44तुम जउन एक दूसरे ते आदर चाहति हउ
अउर वहु आदरु जउन अद्वैत परमेसुर के ओर ते हइ

नाई चाहति। केहि ढंग ते बिसवासु करि सकत हउ।

45ई न समझाउ कि हम बापु के समुहे तुम पइ दोसु लगइब। पइ दोसु लगावइ वाला तउ हइ, यानी मूसा जेहि पे तुम भरोसा राखे हउ। 46काहे ते यदि तुम मूसा पइहन बिसवासु करत हओ। हमरो परतीत करते ओ काहे ते कि उते हमरे बारे म लिखिस हइ। 47पर जो तुम वहिकी लिखी भई बातन पै बिसवासु नाई करते हौ। तउ हमार बातन पै काहे बिसवासु करि हउ।

यीसु पांच हजार केर भोजन खवावत

6ई बतियन के कुछ समय बदइ यीसु गलील सूबा केर झील के पासइ गये। 2अउर याक बड़ी भीड़ ओकरे पाछे–पाछे हुवै लीन काहे ते जउन अचरज केर कामु ऊ बीमारन प दिखावति रहइ वइ उनका देखति रहइ। 3तबइ यीसु याक पहड़िया प चढ़ि कइ अपन चेलन केर साथइ उहइं बइठे। 4अउर यहूदियन क फसह केर परबु नेयरे रहइ।

5तबइ यीसु अपन अँखिया उठाइके याक बड़की भीड़ का अपन पासइ आवति देखिनि, अउर फिलिप्पुस ते कहिन कि हम इनहुन केर खातिर कहां ते रोटिन केर मोलु लाई ? 6पर ऊ यहि बात केर परखइ केर खातिर कहिन, काहे ते ऊ आपइ जानति रहइ कि हम का करिबे।

7फिलिप्पुस वहिका जबाबु दिहिस कि दुई सौ दीनार केर रोटीओ उन्हके खातिर पूर न होइ हइ। उन्हमा ते हर याक केर थोर–थोर मिलि जाय।

8ऊ के चेलन मां ते समौन पतरस के भइया अन्द्रियास वहिते कहिस। 9इहां पर एकु लरिका हइ जेहिके पासइ पांच रोटी अउर दुइ मछरिउ हइ। पइ इतने मनईन के खातिर वइ का होइ।

10यीसु कहिन, कि मनईन क जमीन पै बइठाइ देउ। उइ ठउरे बहुतइ घास रहइ तबइ उइ लोग जउन गिनतिय लगभग पांच हजार रहइ बइठ गे। 11तबइ यीसु रोटिन केर लिहिन अउर परमेसुर केर धन्यवादु करि कइ बइठइ वालेन मं बांटि दिहिन। उहइ परकार मछलियन मां ते जितनइ उइ चाहति रहइं बांटि दहिनि।

12जबइ उइ खाई केर तिरपत होइ गे तबइ ऊ अपनु चेलन ते कहिनि कि बचे भये टुकरन केर बटोरि लेउ कि कहूँ फेंका न जाइ। 13यहिते उनहुन बेटोरि लिहिन अउर जबकि पांच रोटिन के टुकरे जउन खाइ वालेन ते बचि गे रहइ उन्ह की बारह टोकरियां भरि गईं।

14तब जउन अचरज केर कामु ऊ करि दिखाइसि वहिकी उइ लोगन देखि कइ कहइ लाग कि ऊ नबी जउन जगत म आवइ वाल रहइ जरूर यहे हइ।

15यीसु इ जनि के कि वइ मोहिका राजा बनावइ के खातिर आइके पकड़ब चाहत हइं, तब पहारु पर अकेलेइ चला गवा।

यीसु पानी पे चलव है

16तबइ जबइ सांझ भइ तउ यीसु उइके सबइ चेले झील केर कि नारइ गये। 17अउर उइ नाउ प चढ़ि कइ झील केर पार कफरनहूम क जाइ लागे। ठइ समय अंधेरु हुइ गवा रहा अउर यीसु अबहिन तलक उन केर पासइ नाई आवा रहइ। 18अउर आंधी केर कारन झील केर लहरिया उठइ लागि। 19यहिते जब उइ नइया खेवत–खेवत तीनि–चारि केर करीबइ गये तबइ उइ यीसु केर झील पे चलति–अउर नइया केर पासइ आवति देखिन अउर डरि गये। 20पर यीसु वहिते कनि हम ते डरउ मत। 21यहिते वहि वहिका नइया प चढ़ाइ लेवइ के खातिर तय्यार भये अउर तुरंतइ ऊ नइया उइ जगह।

22दूसरे दिन उइ भीड़ जउन झील केर पासे ठाढ़ि रहइ, ई देखि कइ कि इहां याकु केर छोरि कइ अउर कउनउ छोटि नाउ न रही अउर यीसु अपने चेलन चले गये रहइ। 23यहिते जबइ अउर छोटि नइया तिविरियास ते उइ ठउर के पासइ आई जहइं वइ परभु केर धनवादु करि रोटी खाइन रहइं। 24यहिते जबइ भीड़ देखिसि कि इहां यीसु हइ अउर न उनकेर चेलइ तउ वहइ छोटि–छोटि नइयन प चढ़िकइ यीसु केर ढूंढ़ति–ढूंढ़ति कफरनहूम क पहुंचि गये।

यीसु जीवन केर रोटी

25अउर झीलइ केर पार ऊते मिलि कइ कहिन कि हे रब्बी तुइ इहां कबइ आइ गयेउ।

26यीसु उनका जबाबु दिहिन कि हम तुहिते सांची–सांची कहित हउं तुम्ह हमका यहिते नाई ढूढ़ति हउ कि तुइ अचरज केर कमवा देखई पर यहिते कि तुम्ह रोटिन केर खाइके तिरिप्त भये हउ। 27नास होय वाले भोजन के खातिर मेहनत न करउ, पर उइ भोजन के खातिर मेहनत करउ जउन अनन्त जीवन–तलक ठहरति हइ जउन मनई केर बेटवा तुहिका देई, काहे ते बापु यानी परमेसुर वहि पर छापु लगाय दिहिस हइ।

28उनहुन यीसु ते कहिन परमेसुर केर कामन केर करइ केर खातिर हम का करी?

29यीसु उन्हका जबाबु दिहिसि परमेसुर केर काम

ई हइ कि उइ पइ जउन वहिका भेजिस हइ, बिसावासु
करउ।
30तबइ उनहूं ऊ ते कहिन तउ तुइ कउन चिन्हवा
दिखावति हइ कि हम उहिका देखि कइ तू पइ
परतीति बिसवासु करी? कउन स काम दिखावति
हइ? 31हमार बाप दादन जंगल म मन्ना खाइनि
जइस लिख धरम सास्तर म लिखउ हइ कि ऊ
उन्हके खाइके खातिर सरग ते रोटी दिहिस।
32यीसु उन्हते कहिन कि हम तोहिते सांचि—सांचि
कहति हइ कि मूसा तोहिका ऊ रोटि सरग ते नाई
दिहिस पर हमार बापु तुहिका सच्चिई रोटी सरग ते
देत हइ। 33काहे ते परमेसुर केर रोटी वहइ हइ जउन
सरग ते उतरि कइ जगत केर जीवनु देति हइ।
34तबइ उइ ऊ ते कहिन है परभु ई रोटी केर हमका
हमेसा दिया करउ।
35यीसु उन्हते कहिन जीवन केर रोटिया हम हन
जउन हमरे पासइ आई ऊ कबहूं भूखा नाई होई अउर
जउन हमरे प बिसवासु करी ऊ कबहूं पियासा न
होई। 36पर हम तोसे कहित हइ कि तूने मोहिका
देखउ लिहिस हइ तउ, बिसवासु नाई करति। 37जउन
कुछ बापु हमका देत हइ ऊ सबइ हमरे पास अइ हइ,
अउर जउन कउनउ हमरे पास अइहइ वहिका हम
कबहूं न निकलबे 38काहे ते हम अपन इच्छा नाहीं
बल्किर अपन भेजइ वाले कि इच्छा पूरी करइ के
खातिर सरग ते नीचे उतरेन हइ। 39अउर हमका भेजइ
वाले कि इच्छा ई हइ कि जउन कछु ऊ मोहिका
दिहिस हइ वहिमा ते हम कछु न खोई, पर ऊ का
हमके आखिरी दिन पइ फिरि ते जियाइ देइ। 40काहे
ते हमार बापु केर ई इच्छा हइ कि जउन कउनउ बेटवा
केर देखई अउर आपइ बिसवासु करइ ऊ के जीवनु
पावइ हम वहिका आखिरी दिन पे फिर ते जियाइ
देइब।
41यहि ते यहूदी यीसु पर कुड़कुड़ाइ लगे, काहे ते
कि ऊ कहिस रहइ कि जउन रोटी सरग ते उतरी ऊ
हम हन। 42अउर वइ कहिन का इव यूसुफ केर बेटवा
यीसु नाई जेके भाई—बाप केर हम जानित हइ? तउ
ऊ कइसन कहति हइ कि हम सरग ते उतरे हन।
43यीसु उन्हका जबाबु दिहिस आपस म मत
कुड़कुड़ाउं 44कउनउ हमरे पास नाई आइ सकति,
जबइ तलक बापु, जउन हमका भेजिस हइ उइका
खींचि न लेई अउर हम वहिका आखिरी दिन पर
फिरि ते जियाइ देइब। 45नबिन केर लेखन म ई
लिखल हइ कि उइ सबइ परमेसुर का ओर ते
सिखाए भये होइ हइ। जउन कउनउ बाप ते सुनिसि
अउर लिखिस हइ, ऊ हमरे पासइ आवत हइ। 46ई
नाई कि कउनउ बापु केर देखिसि। पर जउन परमेसुर
कि ओर ते हइ खाली वहइ बापु केर देखिसि। 47हम
तुहिते सांचइ—सांचइ कहति हइ, जउन कउनउ बिसवासु
करि हइ हमेसा जीवनु वहिकइ होइ। 48जीवनु केर
रोटी हमही हन। 49तोहरे पुरखे बाप—दादे जंगलु म
मन्ना खाइनि अउर मरि गे। 50ई उइ रोटी हइ जउन
सरग ते उतरती हइ जेहिते मनई वहिमा ते खावइ
अउर न मरइ। 51जीवन केर रोटी जउन सरग ते उतरी
वइ हमही हन। अगर कउनउ मनई ई रोटी माते खाए
तउ ऊ हमेसा तलक जीअन्त रहिहइ, अउर जउन
रोटी हम जगत के जीवन के खातिर देइब ऊ हमार
देह हइ।
52ई सुन यहूदी ई कहि कइ अपसइ म झगड़ई
लाग कि ई मनई काहे ते हमका अपना मांसु खाई
के देइ सकत हई।
53यीसु उन्हते कहिन हम तुहिते सांचइ—सांचइ
कहित हइ कि जवइ तलक मनई केर बेटवा केर मांस
न खइहो, अउर वहिका लोहू न पियउ तुम ते जीवनु
नाई। 54जउन हमार मांसु खात अउर हमार लोहू पित
हइ हमेसा केर जीवनु वहिक हइ, अउर हम आखिरी
दिन पे फिर ते ओके जीयाइ देइब। 55कहाते हमार
मांस सांच मां खाइ केर सामान हइ, ऊ अउर हमार
लोहू दरअसल पियइ केर चीज हइ, 56जउन हमार
मांस खात अउर हमार लोहू पियत हइ, ऊ हम मां
हमेसा रहत हइ अउर हम वहिमा। 57जइसन जिअत
बापु हमका भेजिसि अउर हम बाप केर कारन
जिअति हइ, वइसइ वहउ जउन हमका खइहइ हमरे
कारन जिअत रहिहइ। 58जउन रोटी सरग ते उतरी रहइ
हइ। बाप—दादन की तरह नाई खाइनि अउर मरिगे
जउन कउनउ ई रोटी खइहइ ऊ हमेसा जिअत रहिहई
59ई बात केर वहु कफरनहूम केर याक आराधनालय
म परवचन देत समय कहिनि।

बहुतै चेलन यीसु कइहन छोड़ देत हइं

60इहे लिन वहिके चेलन मते बहुतन ई सुनि कइ
कहिन ई बात नागवार हइ। ई का कउनउ नाई सुनि
सकति हई।
61यीसु अपन मन मा ई जानि कइ कि हमरे चेले
इ आपस मइ ई बात पे कुड़कुड़ाति हइ। उन्हते पूछिन
की का ई बात ते तोहिका ठोकरू लागति हइ?
62अउर अगर तुइ मनई केर बेटवा केर जगइ ऊ
पहलेइ रहइ उहां उपरि केर जाति देखि हउ तउ तोहार
का होई। 63आतमा तउ जीवन देइ वाली इह अउर

सरीर ते कुछ लाभु नाई, जउनइ बातन केर हम तोसे
कहित हइ, उइ आतमा हइ, अउर जीवनउ हइ। 64पर
तुहिमा ते केत्ते अइसन हइ जउन बिसवासु नाई करति
काहे ते यीसु पहिलेइ ते जानति रहइ कि जउन
बिसवासु नाई करति उइ कउन हइ अउर कउन हमका
पकड़िवइहइ। 65अउर वहि कहिसि यहिते हम तुहिते
कहेइ रहा कि जबइ तलक बापु की ओर ते ई बरदानु
ना दी जाइ तबइ तलक हमरे पासइ नाइ आइ सकति।
66ई पर वहिके चेलन म ते बहुतेरइ उलटे फिर गए
अउर ऊ के बादि म वहिके साथई न चले।
67तबइ यीसु उइ बारहुन ते कहिन का तुइउ चले
जाइक चाहत हऊ?
68समौन पतरस वहिका जबाबु दिहिस हे परभु
हम केहिके पासइ जाइ? अनन्त जीवनु केर बाइ तउ
आप केर पासइ हइ। 69अउर हम बिसवासु किहेन
अउर जानि गएन कि परमेसुर केर पवित्तर मनई तुहइ
हउ।
70यीसु उन्हका जबाबु दिहिन का हम तुम बारहुन
केर नाई चुनेन? फिरउ तुमरे मते याकु मनई सइतानु
हइ। 71ई उ समौन इस्करियोती केर बेटवा यहूदा कर
बारे म कहिसि काहे ते इहइ उन बारह म ते रहइ
जउन वहिका पकड़वाइस रहइ।

यीसु यहूदियन केर परब मा जात हय

7 ई बातन के बादि यीसु गलील म घूमत रहा
काहे ते यहूदी उइका मारि डाइ केर यतन करि
रहे रहइं। यहिते यहूदियन म फिरब नाइ चाहति रई।
2अउर यहूदियन के मन्डपन केर परब नियरे रहा।
3यहिते ऊके भाइन वहिते कहिन इहां ते कूच करिकइ
यहूदियन म जाउ, काते ते जउन कामु तू करत हओ
उनहुन केर तोहरे चेलेउ देखइ। 4काहे ते अइसन
कउनउ मनई न होई जउन परसिद्ध हो केर चाही अउर
छिपि कइ कामु करई अगर तू ई कामु करत हइ तउ
अपन तई जगत पइहन परगट करउ। 5काहे ते वहिके
भाइउ ऊ पर बिसवासु नाई करत रहइ।
6तबइ यीसु उनहुन ते कहिन कि हमार समय
अबही तक नाहि आवा, पर तोहरे खातिर सबइ
समय हइ। 7जगतु तोहिते बैरु नाई करि सकत, पइ
ऊ हमते बैरु करत हइ काहे ते हम ऊ के विरोध म
गवाही देइत हइ कि ऊके काम नीक नाहि हइ। 8तुम
पूरब म जाउ हम अबही ई परब म जाई जाइत
अबहिन तलक हमार समय पूर नाई भवा। 9ऊ वहिते
ई बातन केर हि कइ गलील म रहि गवा।
10पर जबइ ऊके भाई परब म चले गए तब ऊ
खुदइ परगट म नाई पइ मानउ गुपुत हुइ कइ गवा।
11यहिते यहूदी परब म वहिका ई कहिकइ ढूढ़इ लागे
कि ऊ कहां हइ?
12अउर लोगन म वहिके बारे म चुपके–चुपके
बहुतइ बातइ भई कितनइ कहत रहइ कि ऊ नीक
मनई हइ अउर कितनेइ कहति रहइ कि ऊ मनईन केर
नाइ भरमावति हइ। 13तबहूं यहूदिन केर भय म
कउनउ मनई वहिके बारे म खुलि कइ नाई बोलति
रहइ।

यीसु परब मा सिच्छा देत हय

14अउर जबइ परब केर आधे दिन बीति गये तबइ
यीसु मंदिर जाइके उपदेसु करइ लाग। 15तब यहूदियन
अचरज करिहइ कहिनि कि इहि का बिनु पढ़इ ग्यानु
कइसे आइ गवा।
16यीसु जबाबु दिहिन कि हमार परवचन हमार
नाई पर हमरे भेजइ वाले केर हइ। 17अगर कउनउ ऊ
की इच्छा पे चलइ चाहत तउ ऊ ई परवचन केर बारे
म जानि जाई कि ई परमेसुर कि तरफ ते हइ या हम
अपन ओर ते कहित हइ। 18जउन अपन ओर ते कुछु
कहत हइ ऊ अपन बड़ाई चाहत हइ। पर जउन अपन
केर भेजइ वालेइ कि बड़ाइ चाहत हइ उहइ सच्चा
हइ अउर वहिमा अधरम नाई हइ। 19का मूसा तोहिका
बेवस्था नाई दिहिस? तउ तुम मा ते कउनउ मनई
बेवस्था के नाई चाहत, तुम काहे मोहिका मारि डाले
क चाहत हउ?
20उइ लोगन जबाबु दिहिन कि तोहि म दुस्ट
आतमा हइ कै तोहिका मारि डारइ केर चाहत हइ।
21यीसु उन्हका जबाबु दिहिन कि हम एकै कामु
कीन हइ अउर तुम सबइ अचम्भा करत हउं 22यहिते
मूसा तुम्हका खतना केर आग्या दिहिस हइ ई नाई
कि ऊ मूसा केर ओर ते हइ पर ई पुरखन ते चलत
आवत हइ, अउर तुम सबत के दिनइ मनई का खतना
करत हउ। 23जब सबत केर दिन मनई केर खतना
कीन जात हय जेहिते मूसा केर वेवस्था का आग्या
टलि न जाइ तउ तुम मोहि पे वहिते विरोधु करति हउ
कि हम सबत केर दिनइ याक मनई क पूरी तरह चंगा
कि हेन? 24मुंह देखि कइ नियाव न चुकाउ, पर
ठीकइ ठीक नियाउ चुकाउ।

का यीसु ही मसीह हय?

25तब कितनइ यरुसलेमी कहइ लाग का इ वहइ
नाई, जेहिके मारि डारइ क परयतन की जाति रहइ।
26पइ देखउ, ऊ तो कइसन खुल्ला बतियात हइ,

अउर कउनउ ऊते कुछु नाई कहत का ई समय हइ
कि सरदारन सच—सच लिहिन हइ कि इहइ मसीह
हइ? 27ई का तउ हम जानित हइ कि ई कहां केर हइ
पर मसीह अबइ अइहइ तउ कउनउ न जनिहइ कि ऊ
काहं केर हइ?
28तबइ यीसु मंदिर म परवचन देत समय पुकारि
के कहिस तुइ हमका जानत हउ अउर इहउ जानत हउ
कि हम होई।तुम तउ खुदइ नाई आयंन पर हमार
भेजइ वाला सच्चा हइ ऊ का तुम नाई जानत हउ।
29हम वहिका जानित हइ काहे ते हम वहिकी ओर
ते हन अउर उहइ हमका भेजिसि हई।
30ई पइ उनहुन ऊ का पकड़इका चाहिन तउ
कउनउ ऊ प न डारिसि काहे ते वहिका समउ अबही
तक नाई आवा रहइ। 31अउर भीड़ म ते बहुतेरेन ऊ
पर बिसवासु किहिन, अउर कहइ लाग कि मसीह
जबइ अइहइ तबइ का इहते अधिकइ अचरजु दिखाई
जउन ऊ दिखाइसि?
32फरीसियन लोगन केर ऊ के बारे मा ई बातन
केर चुपकइ—चुपकइ करत सुनिन, अउर महायाजके न
अउर फरीसियन ऊ का पकरइक सिपाही भेजिन।
33ई पइ यीसु कहिन, हम थोड़ेइ देर तलक अउर
तोहरे साथेइ हन, ओकरे बादइ हम आपन भेजइ
वाले केर पास चले जाइब। 34तुम मका ढुढ़िहउ पर
तुम हमका नाई पइहउ, अउर जहै हम हन उहां तुम
नाई आइ सकत हउ।
35यहूदिन आपस म कहिन ई कहां जाई कि हम
ईका नाई पइबे? का ऊ उन्हके पास जाई जउन
यूनानिन म तितर—बितर होइके रहत हइ। अउर
यूनानिनउ केर परवचन सुनइ हइं। 36ई का बातहइ
जउन ऊ कहिस कि तुम हमका ढुढ़िहउ पर न पहउ
अउर जहां हम रहब।
37फिरि परब केर आखिरी दिनउ जउन परब केर
खास दिनु हइ यीसु ठाढ़ भवा अउर पुकारि के
कहिस, अगर कउनउ पियासा होय तउ ऊ हमरे
पासइ आइ के पियइ। 38जउन हमरे प बिसवासु
करिहइ जइस पवित्तर सास्तर म आवा हइ कि ओके
हिरदय म ते जीवनु केर जल केर नदिया बहि
निकसी। 39ऊ ई बचनु उइ आतमा के बारे म कहिस
जेहिका ऊ पइ बिसवासु करइ वाले पावइ प रहइ
सकत हइ। काहे ते आतमा अबइ तलक नाई उतरी
रहइ काहे ते यीसु अबहिन तलक अपनु पहियक नाई
पहुंचा रहइ।
40तब भीड़ म ते कउनउ—कउनउ ई बातइ सुनिकइ
कहिन सचमुचइ इहइ नबी हइं।
41दुसरेउ कहिन ई मसीह हइ पर कउनउ कहिस
कि का मसीह गलील ते अइहे? 42का पवित्तर सास्तर
म ई नाई आवा कि मसीह दाउद केर बंस ते अउर
बेतलहम केर गांव ते अइहइं जहां दाउद रहत रहइ?
43यहिते ऊ के कारन लोगन म फूटि पड़ि गवा।
44उनमा ते कितनेइ उइका पकरइ केर चाहत रहइ, पर
कउनउ वहि पइ हाथु नाई डारिसि।

यहूदी धरम गुरुवन केर अविसवास

45तबइ सिपाही महायाजकन अउर फरीसियन केर
पासइ आये अउर उइ वहिते कहिन, उइ ऊ का नाई
पकरि सके।
46सिपाहिन जबाबु दिहिन कि कउनउ मनई कबहूं
ऐसि बातइ नाई किहिन।
47फरीसियन उनकउ जबाबु दिहिन, कि का तुइउ
भरम म पड़ि गयेउ हओ? 48का सरदारन या फरीसियन
म ते कनउन उहि पइ बिसवासु किहिस हइ? 49पर
ई मनई जउन बेवस्था नाई जानति।
50नीकु देस म जउन पहिलेइ ई ऊ के पासइ आवा
रहइ अउर उनमा ते याक रहइ, उनहुन ते कहिसि।
51का हमरी बेवस्था कउनउ मनई क जबइ तलक
पहिलेइ वहिका सुनिकइ जानि न लेइ कि ऊ का करत
हइ, दोसी ठहरावत हइ?
52वै उनका जबाबु दिहिन, का तुमहूं गलील का
हइ? ढूढ़उ अउर देखउ कि गलील ते कउनउ नव
परगट नाई होई का 53तबइ सबइ जने अपन—अपन
घरन केर चले गे।

8 पर यीसु जैनूतन केर पहारु पइहन गये।
2अउर भोरइ केर फिरि मंदिर म आइ गए अउर
सबइ लोग उइके पासइ आइ जात अउर ऊ बइठ के
उपदेसु देइ लागे। 3तबइ सास्तरी अउर फरीसी एक
अउरत केर लइ आए जउनु बेभिचारु म पकरी गई
रहइ अउर ऊ का बीच म ठढ़ि करि कइ यीसु ते
कहिन। 4हे गुरु ई, अउरत दुराचारु करत पकरी गई
हइ। 5धरम बेवस्था म मूसा हमका आग्या दिहिन हइ
कि अइसन अउरतन केर पत्थरवाह करइ। तउन तुम
ई अउरत के बारे म का कहत हउ? 6उनहुन ऊ का
परखइ की खातिर कउनउ बात पावइ। पर यीसु झुकि
कइ धरती पै उंगली ते लिखइ लाग। 7जबइ उइ ऊ
ते पुछतइ रहइ तबइ ऊ सीधेइ हुइ कइ वहिते कहिसि
कि तुइ मा जउन कउनउ पापु नाई किहिस हइ उहइ
पहिले ऊ का पत्थर मारइ। 8अउर फिर झुकि कइ
धरती प अँगुरी ते लिखइ लाग।

[9]पर उइ ई सुनिकइ बड़ेन ते लइकइ छोटेन तलक
याक याक करि निकलि गये। अउर यीसु अकेलेउ रहि
गवा हे। अउर मेहरारु उहइ बीच म ठाढ़ि रहि गई।
[10]यीसु सीधेइ हुइ कइ ऊ ते कहिन हे अउरत उइ
कहां गये? का कउनउ तोहि पइ दंडु का आग्या नाई
दिहिस।
[11]हे परभु, कउनउ नाई यीसु कहिन हमहूं तुइ का
दंडु केर आग्या नाई देइत, जाउ अउर फिरि ते पापु
न किएउ।

यीसु केर गवाही केर सच्चाई

[12]तबइ यीसु फिरि ते लोगन ते कहिन जगत की
जोति हमहिन, जउन हमरेइ पाछेइ हुइ लेइ ऊ
अन्धकारु म नाई चलत हइ। पर जीवन केर जोति
पइहइ।
[13]फरीसियन उइते कहिन तुइ अपन गवाही अपनेइ
आपइ देति हइ, तोहार गवाही नीकु नाई।
[14]यीसु ऊ का जबाबु दिहिस कि अगर हम अपन
गवाही अपनइ आप देइत हइ तबहूं हमार गवाही नहीं
हइ। काहे ते हम जानित हइ कि हम केहर ते आइत
हइ अउर केहर तक जाइत हइ। [15]तू सरीर के
अनुसारइ नियाउ करति हय। हम कउनउ केर नियाउ
नाई करिन। [16]अउर अगर हम नियाउ न करबिउ करी,
तउ हमार नियाउ सांच हइ काहे ते हम अकेले नाई,
पर हम हन अर हमार बापु हई। जउन हमका भेजिन
हइ। [17]अउर तोहरी बेवस्थउ म लिखउ हइ कि दुइ
मनईन केर गवाही मिलि कइ सही होत हइ। [18]याक
तउ हम खुदइ अपन गवाही देइत हइ, अउर दुसरे
बापु हमार गवाही देत हइ जउन हमका भेजिस हइ।
[19]उइ वहिते कहिन तोहार बापु कहां इह? यीसु
जबाबु दिहन क न तउ तुम हमका जानति हउ, न
हमार बापु कयहन, यदि हमका जानत हउ तउ हमार
बापु केर जानत हउ। [20]ई बातन केर ऊ मंन्दिर मा
उपदेसु देति भये भंडार गरहइ म कहिन, अउर कउनउ
वहिका नाई पकरिसि, काहे ते ऊ का समय अबहिन
तलक नाई आवा रहइ।
[21]ऊ वहिते फिरउ कहिस, हम जानित हइ, अउर
तुम मोहिका ढुढ़िहउ अउर अपन पापन म मरिहउ।
जेहि ओर हम जाइत हइ उहां तुम नाई आइ सकत
हउ।
[22]इह पर यहूदिन कहिन काउ अपन आपइ केर
मारि डारी जउन कहत हइ कि जेहर हम जाइत हइ
उहइ तुम नाइ आइ सकतेव?
[23]ऊ वहिते कहिस, तुम नीचेइ के हउ, हम ऊपरि
के हन, तुम संसारु के हउ हम संसारु के नाई हन।
[24]यहिते हम तुइते कहित हइ, कि तुम अपन पापइ
मं मरिहउ काहे ते तुम अगर बिसवासु नाई करिहउ
कि हम उही हन, तउ अपन पापन म मरिहउ।
[25]उई ऊ ते कहिन, तुइ कउन हौ? यीसु उइते
कहिन उहे हन जउन सुरुइते तुमते कहित आएन हइ।
[26]तोहरे बारे मां हमका बहुत कुछ कहइ के अउर
फइसलउ करइक हइ, पर हमार भेइ वाल सच्चा हइ
अउर जउन हम ऊ ते सुनिन हइ उहइ जगत ते कहित
हइ।
[27]उइ नाई समझिन कि हमते बापु के बारे म
कहति हइ। [28]तबइ यीसु कहिन कि जबइ तुइ मनई
के बेटवा केर ऊंचेइ पै चढ़इ हउ जानि हउ कि हम
वही हन। अउर अपन आय ते कछु नाई करिति, पर
जइसन हमार बाप हमका सिखाइन वइसन ई बातन
केर कहत हइ। [29]अउर हमार भेइ वाल हमरे साथेइ
हम, ऊ हमका अकेलइ नाई छोड़िस हइ, काहे ते हम
सदइ ते कामु केर करति हइ, जेहिते ऊ परसन्न होत
हइ। [30]ऊ ई बातन केर कहिय रहा रहै कि बहुतेरेइ
उइ परे बिसवासु किहन।

अबराम केर सन्तान

[31]तबइ यीसु उइ यहूदियन ते जउन ऊ की
बिसवासु कहिनि रहइ कहिन, जो तम हमार बचन म
बनेइ रहि हउ, तउ सच्चेइ हमार चेला ठहरिहउ।
[32]अउर सांच केर जनिहउ, अउर सांच आजाद
करिहइ।
[33]उइ ऊका जबाबु दिहिसिकि हम तउ अबराम
केर बंस ते हन, अउर कबहूं कउनउ के साथे नाई
भयेन, फिरि तुइ काहे ते कहित हइ कि तुइ आजाद
हुइ जइहो?
[34]यीसु उनका जबाबु दिहिन, हम तुइते सांचइ
सांच कहित हइ कि जउन कउनउ पापु करति हइ, ऊ
पापइ केर दासउ हइ। [35]अउर दासु सदइ घरई मा नाई
रहति, बेटवा सदर रहत हइ। [36]यहिते अगर बेटवा तू
का आजाद करि हइ, तउ सच्चेइ तू आजाद हुइ
जाइहौ। [37]हम जानित हइ कि तुइ अबराम केर बंसइ
ते हउ, तउ हमार बचन तो हरे हिरदय म बैरु नाई
पावति, यहिते तुम मोहिका मारि डारइ चाहत हओ।
[38]हम तोसे वहइ कहति हउ जउन अपन बाप के इहां
देखेन हइ, अउर तुम उहइ करत हउ जउन तुम अपन
बाप ते सुनेउ हउ।
[39]उइ उन्हका जबाबु दिहिन कि हमार बापु तउ
अबराम हइः यीसु उन्हते कहिन, जौ तुम अबराम केर

बेटवा हउ तउ अबराम की तरह काम करउ। 40पर
अब तुम हम जइसन मनई क मारि डाइक चाहत हउ
जउन तुम का ऊ सांचु बचनु बताइसि जउन ऊ
परमेसुर ते सुनिसि। ई तउ अबराम नाई कहिसि रहइ।
41तुम अपन बापु केर समानइ कामु करति हउ। उइ
ऊते कहिन कि हम दुराचार ते नाई जनमें। हमार याक
बापु हइ जानी परमेसुर।

सैतान केर सन्तान

42यीसु ऊते कहिन, जो परमेसुर तोहार बापु होत
तउ मोहिते परेम राखतेउ काहे ते हम परमेसुर म ते
निकरि कइ आयेन हइ, हम खुदइ नाई आएन पर उन्हें
हमका भेजिस। 43तू हमार बात केर काहे नाई
समझति? यहिते कि हमार बचनु सुनिनाई सकति।
44तुइ अपने बाप सैतानु ते हउ अउर अपन बापु कइ
इच्छा केर पूर करइक चाहति हउ। ऊ तउ सुरुइ ते
हत्यारा हइ। अउर सांचु प नाई टिका रहा। काहे ते
सांचु उहिमा हइयइ नाई, जबइ ऊ झूठ बोलति तउ
अपन सुभाउते बोलति हइ, काहे ते ऊ झूठा हइ,
बल्कि झूठ क बापुइ हइ। 45पर हम जउन सांचइ
बोलित हइ, यहिते तुम हमार परतीति नाई करति हइ।
46तुममा ते कउन मोहिका पापी ठहरावति हइ? अउर
जो हम सांचइ बोलित हइ तउ ऊ हमार परतीति काहे
नाई करति हइ? 47जउन परमेसुर ते होति हइ, ऊ
परमेसुर की बातइ सुनति हइ, अउर तुइ यहि लिए
नाई सुनति कि परमेसुर की ओरइ ते नाई हओ।

यीसु केर दावा अपन बिसय मां

48ई सुनि यहूदिन ऊ ते कहिन, का हम ठीकइ नाई
कहित, कि तू सामरी हइ अउर तोहिमा दुस्ट आतमा
हइ।

49यीसु जबाबु दिहिन, कि मोहिका दुस्ट आतमा
नाई, पर हम अपन बापु केर आदरू करत हइ, अउर
तू हमार निरादर करत हउ। 50हम अपन परतिस्ठा नाई
चाहित, हां याक तउ हइ जउन चाहत हइ अउर
नियाउ करत हइ। 51हम तुमते सांचइ साँच कहित
हइ, कि अगर कउनउ मनई हमार बचनु प चलिहइ
तउ ऊ हमेसइ तलक मिरतु केर न देखि पइहइ।

52यहूदियन ऊ ते कहिन कि अबइ तउ हम जानि
लिहेन हन कि तुइमां दुस्ट आतमा हइ। अबराम मरि
गवा अउर नबीउ मरि गये हइ अउर तू कहति हइ कि
अगर कउनउ हमार बचनु पै चलिहइ तउ ऊ हमेसा
तलक मिरतु क सवाद न चखिहइ। 53हमार बापु
अबराम तउ मरि गवा का तू औरो बड़ा हओ? अउर
नबिउ मरि गये, तू अपन आपका का ठहरावति हओ।

54यीसु जबाबु दिहिन अगर हम खुदइ अपन
महिमा करी तउ हमारि महिमा कछू नाई, पइ हमारि
महिमा करइ वाला हमार बाप हइ, जेहिका तुइ कहत
हइ कि ऊ हमार परमेसुर आय। 55अउर तुम तउ
वहिका नाई जानेव, पर हम वहिका जानित हइ अउर
अगर कही कि हम वहिका जानित हइ अउर अगर
कही कि वहिका नाई जानति, तउ हम तोहरी नाई
झूठइ ठहरिवै, पर हम उइका जानिति हइ अउर उइके
बचनु पै चलति हइ। 56तोहार बापु अबराम हमार
दिनउ देखइ कि आस म बहुतइ मगन रहइ अउर ऊ
देखिसि अउर मगन भवा।

57यहूदियन ऊ ते कहिन, अबइ तलक तुइ पचास
बरस केर नाई, फिरउ तुइ अबराम केर देखेव हओ।

58यीसु ऊ ते कहिन, हम तोसे सांचइ—सांच
कहिति हइ कि पहिले अबराम जनम भवा हम रहेन।
59तबइ उनहुन उइका मारइ के खातिर पत्थर उठाइनि,
पर यीसु छिपि कइ मंदिर ते निकरि गे।

यीसु एक जनम केर अन्धे केर परकास देइत हय

9 फिरि जाति भये ऊ याक मनई क देखिस जउन
जनम क अन्धा रहइ। 2अउर ऊ के चेलन ऊ ते
पूछिनि हे रब्बी कउनइ पापु किए रहइ कि ई अन्धई
जनमा, ई मनई या ई केर माइ बाप।

3यीसु जबाबु दिहिन न तउ ई पाप किहिस रहइ
अउर न ई के माइ—बाप पर ई इह खातिर भवा कि
परमेसुर के काम उइ मा परगट होय। 4जउन हमका
भेजिस हई, ऊ के काम दिन हि दिन म करब जरूरी
हइ ऊ राति आवइ वाली हइ जेहिमा कउनउ काम
नाहीं करि सकति। 5जबइ तलक हम इ दुनिया म हन
तबइ तलक जगत कि जोति हन।

6ई कहि कई ऊ भूमि पर थूकिसि अउर उइ थूक
ते मिट्टी क सानिसि अउर उइ मिट्टी क उइ अन्धे कि
आंखिन पे लगाई कइ। 7ऊ ते जाये केर सीलोल केर
कुंड म धोइ ले (जेहिका भेजइ भवा हइ) तउन उइ
जाइ के धोइसि अउर देखति भवा लौटि आवा।

8तबइ पड़ोसिन अउर जिनहुन पहिले ऊका भीख
मांगत देखिन रहइ कहइ लाग का ई वहइ नाई जउनु
बइठा भीख मागत रहइ? 9कितनेउ कहिनि ई उहइ
हइ अउरन कहिन नाई, पर ऊ केर तरह हइ ऊ
कहिसि, हम उहइ हइ।

10तबइ उइ ऊते पूछइ लागि, तोहरी आंखी काहे
ते खुलि गई।

11ऊ जबाबु दिहिसि कि यीसु नाम का याक मनई

मिट्टी सानिसि अउर हमरी आंखिन प लगाइ कइ
हमते कहिसि कि सीलोम जा के धोइ लेउ, तउन हम
गएन, अउर धोइ के देखइ लागेन।
12उइ ऊ ते पूछिनि, ऊ कहां हइ? ऊ कहिसि, हम
नाई जानित।

फरीसियन चंगाई केर बारे मा जांच पड़ताल

13लोग ऊ ते जउन पहिले अंधरा रह, फरसिन के
पासइ लइ गए। 14जेहि दिन भी यीसु मिट्टी क सानि
कइ ऊ की आंखिन का खोलि रहइ ऊ सबत का दिनु
रहइ। 15तबइ फरीसिनउ ऊ ते पूछिन तोहरी अंखिया
कउन रीतिइ ते खुलि गइ उइ वहिते कहिसि, ऊ हमरी
आंखिन प मिट्टी लगाइसि फिर हम धोइ लिहेन अउर
अब तउ देखित हउ।
16ई पइ कइयउ फरीसीयन कहइ लाग, ई मनई
परमेसुर की ओर ते नाइ काहे ते ऊ सबद का नाहीं
मानत तनु दिनु नाई मानति अउर ऊ कहिनि पापी
मनई कइसे अइस चीन्ह दिखाइ सकति हइ? यहिते
उनमा फूट परि गई।
17उइ ऊ अंधरा ते फिरि कहिनि, उइ तउ तोहरी
आंखिन क खोलिसि तू उइ के बारे म का कहति
हइ? ऊ नबी हइ।
18पर यहूदिन क बिसवासु नाई भवा कि ई
आंधर रहइ अउर अब देखति हइ। जबइ तलक
उनहुन ऊ के माई बापु केर जेहिकी आंखी खुलि गइ
रहइ बुलाइ कइ। 19उन्ह ते पूंछिन का ई तोहार बेटवा
हइ जेहिका तुम कहति हउ कि अंधरा जनमा रहइ?
फिरि अब ऊ कइसे देखति हइ?
20ऊ के माइ–बापु जबाबु दिहिन हम तउ इ
जानिति हइ कि ई हमार बेटवा हइ अउर अंधरइ
जनमा रहइ। 21पर हम इउ नाई जानिति कि अब
कइसेइ देखति हइ, अउर न ई जानिति हइ कि कउनेइ
ऊ की आंखिन क खोलिन, ऊ सयान हइ ऊ ते पूछि
लेउ, ऊ अपन विसय म खुदइ कहि देई। 22ई बात
उइके माइ–बापु यहि ते कहिनि, काहे ते उइ यहूदियन
ते डरति रहइ, काहे ते यहूदी एका करि चुकेइ रहइ
कि अगर कउनउ कहइ कि ऊ मसीह हइ, तउ
आराधनालय ते निकाल दिया जाय। 23ई कारन ऊ
के माइ–बापु कहिन कि सयान हइ उही ते पूछि लेव।
24तबइ उइ ऊ मनई क जउन अंधरा रहइ, दूसरी
बेर बुलाइके ऊ ते कहिन, परमेसुर की पराथना करउ,
हम तउ जानिति हइ ऊ मनई पापी हइ।
25ऊ जबाबु दिहिस हम नाइ जानिति कि ऊ पापी
हइ या नाइ हम याक बात जानित हइ कि हम
अंधरा रहन अउर अब देखित हइ।
26उइ ऊ ते फिरि कहिनि कि उइ तोहरे साथइ का
किहिस? अउर जउन तरह ते तोहरी आंखिन का
खोलिस।
27ऊ उइते कहिसि, हम तउ तुम ते कहि चुकेन
अउर तुम नाई सुनेउ अब दूसरी बार का सुनइ का
चाहति हउ? का तूमहू उहि के चेला बना चाहति हउ
का।
28तबइ उइ उहिका बुरा भला कह कइ बोले तू तउ
उहिका चेला हओ, हम तउ मूसा के चेला हन।
29हम जानित हइ कि परमेसुर मूसा ते बातइ किहिस
पर हमई मनई केर नाई जानिति कि कहां केर हइ?
30ऊ उनहुन केर जबाबु दिहिस ई तउ अचम्भा कि
बात हइ कि तुइ नाई जानति कि ऊ कहां काहइ तउ
ऊ हमरी आंखिन क खोलि दिहिसि। 31हम जानित
हइ कि परमेसुर पापिन कि नाई सुनति। अगर कउनउ
परमेसुर क भगत हइ अउर ऊ की इच्छा पै चलति
तउ ऊ ऊकी सुनति हइ। 32जगत के सुरुवइ ते ई
कबहूँ सुनइ क नाई आवा कि कउनउ जनम केर
आंधर मनई केर आंखिन खोलिसि होय। 33अगर इह
मनई परमेसुर क ओर ते नाई रहिते तउ कुछउ नाई
करि सकत।
34उनहुन ऊ का जबाबु दिहिन कि तुइ तउ बिलकुलइ
पापन मा जनमा हइ। तू हमका का सिखावति हइ?
अउर उइ ऊ का बाहेर निकार दिहिन।

आतमिक आंधरपन

35यीसु ई सुनिन कि उइ उइका बाहर निकाल
दिहिन हइ अउर जबइ ओसे भेंट भई तउ कहिन कि
का तू परमेसुर के बेटवा प बिसवासु करत हउ?
36ऊ जबाबु दिहिस कि हे परभु ऊ कउन हइ कि
हम उइ पइ बिसवासु करी।
37यीसु ऊ ते कहिन, तू वहिका देखेव हओ अउर
जउन तोहरे समुहे बात करत हइ, वहइ हइ।
38ऊ कहिसि, हे परभु हम बिसवासु करति हइ,
अउर ऊ का दन्डवत करति हइ।
39तबइ यीसु कहिन हम ई जगत म नियाउ करइ
क खातिर आयेन हन जेहिते जउन नाई देखत हइ उइ
आंधर हुए जाय।
40जउन फरीसीसी ऊ के साथइ रहइ उइ बातन
सुनि कइ ऊ ते कहिन का हमहूं आंधर हन?
41यीसु वहिते कहिन अगर तुम आंधर रहेव तउ
पापी न ठहरतेउ। पर अब तू कहत हओ कि देखित
हइ यहिते तोहार पापु बनइ रहति हइ।

चरवाहा अउर ओकरी भेड़न

10 हम तोहिते सांचइ—सांच कहित हइ कि जउन कउनउ दुआरे ते भेड़साला म परवेस नाइ करति पर अउरउ कउनउ डगर ते चढ़ि जाति हइ, ऊ चोर अउर डाकू हइ। 2पर जउनदरवाजे ते भीतर परवेस करति हइ, ऊ भेड़न केर चरवाहु हइ। 3ऊ केर खातिर दुआरपाल दुआर केर खोल देत हइ अउर भेड़इ ऊका सबद सुनती हइं अउर ऊ अपन भेड़न का नामु लइ—लइ बुलावति हइ अउर बाहर लइ जाति हइ। 4अउर जबइ ऊ अपन सबइ भेड़न क बाहर निकारि चुकति हइ तबइ उइके आगेइ आगे चलति हइ अउर भेड़इ उइके पाछे—पाछे हुइ लेती हइं, काहे ते उइ का सबद पहिचानित हइं। 5पइ उइ पराय केर पाछे नाई जइहइं, पर उइते भागि हइं काहे ते उइ परायेन क सबद नाई पहिचानित हइं। 6यीसु उइते ई उदाहरन कहिन, पइ उइ न समझे कि इ क बातइ हइ जउन ऊ हमते कहति हइ।

7तबइ यीसु उइते फिरिते कहिन, हम तुइते सांची—सांची कहित हइ कि भेड़न का चरवाहा हन मन। 8जितनेइ हमते पहिलेइ आए, उइ सबइ चोर अउर डाकू हइं पर भेड़न उइकी नाइ सुनिन। 9दरवाजा हम हन, अगर कउनउ हमारेइ जरिये भीतरु परवेस करि हइं तउ उद्धारु पइहइं, अउर भीतर—बाहर आवा जाही करी अउर चारउ पाई। 10जे कउनउ अउर काम के खातिर नाई पइ केवल चोरी करइ क अउर घात करइ क, अउर नासु करइ क आवति हइं। हम ई खातिर आएन की उइ जीवनु पावइ अउर बहुताइत ते पावइँ।

11हम नीक चरवाहा हन, नीक चरवाहा भेड़न केर खातिर अपन परान देति हइ। 12मजदूर जउन न चरवाहा हइ अउर न भेड़न के मालिक भेड़िया केर आवति भये देखि, भेड़न केर छोड़ि कइ भागि जाति हइ, अउर भेड़िया उन्हका पकरति अउर तितर—बितर करि देत हइ। 13ऊ ई खातिर भागि जाति हइ कि ऊ मजदूर हइ अउर उइका भेड़िन कि चिन्ता नाई।

14नीक चरवाहा तउ हम हन, जउन तरह बाप हमका जानत हऐ, अउर हम बाप केर जानिति हइ। 15अइसन हम अपन भेड़न क जानिति हइ अउर हमरी भेड़इ हमका जनती हइ। अउर हम भेड़न केर खातिर अपन परान देइति हइ। 16अउर हमरी अउरउ भेड़इ हईं जउन ई भेड़ वाले कि नई, हमका उनहुन का लाउबु जरूरी हइ, वह हमार सबद सुनि हइ तबइ याकइ झुंड अउर याकइ चरवाहा होई। 17बाप यहिते मोहिते परेम राखति हइ कि हम अपन परान देइत हइ कि उइका फिरि ते लइ लेई। 18कउनउ हमते उन्हका छीनत नाई, बल्कि हम ऊका अपनेइ ते देखति हइ। मोहिका ऊ का देइ का अधिकारु हइ; ई हुकुम हमका अपने बापन ते मिला हइ।

19ई बातनि के कारन यहूदियउ म फूटि परि गई। 20उन्हमा ते बहुतेरेइ कहइ लाग कि वहिमा दुस्ट आतमा हइ, अउर ऊ पागल हइ, उइकी काहे सुनति हउ?

21अउर ऊ कहिन, ई बातइ एइसन मनई कि नाई हइ, जिन्हमा दुस्ट आतमा होई, का दुस्ट आतमा अंधरन कि आंखिन का खोलि सकति हइं?

यहूदियन केर अबिसवासु

22यरूसलेम मा समापन परव भवा अउर जाड़े केर समय रहइ। 23अउर यीसु मंदिर मं सुलेमान केर ओसारे म टहलत रहइ। 24तबइ यहूदियन आइ कइ ऊ का घेरिन अगर तुई हमरे मन का कबइ तलक दुविधा म रखिहउ अउर तइ मसीह हइ तउ हमते साफइ—साफ कहि देउ।

25यीसु उन्हका जबाबु दिहिन कि तोहिते कहि दिहिन अउर तुइ बिसवासु करतइ नाई जउन काम हम अपन बापु केर नाम ते करति हइं, वही हमार साच्छी हइ। 26पइ तुइ इहि कारन बिसवासु नाई हउ काहे ते तुम हमारि भेड़न म ते नाइ हउ। 27हमारि भेड़इ हमार सबद सुनत हइं अउर हम उन्हका जानित हइ अउर उइ पाछेइ—पाछे चलती हइ। 28अउर हम उन्हका हमेसा को अपारु जीवनु देइत हइ, अउर उइ कबहूं नासु नाई होइ हइं अउर कउनउ उन्हका हमार हाथन ते छोरि नाई लेइ। 29हमार बापु जउन उन्हका मोहिका दिहिस हइ, सबते बड़इ हइ। अउर कउनउ उन्हका बापु के हाथ ते छीन नाई सकत। 30हम अउर बापु याकइ हइ।

31यहूदियन वहिका पथरवाह कइ इक फिर पाथर उठाइन। 32ई यीसु उन्हते कहिन कि हम तुइका अपन बापु की तरफ ते बहुतइ भलेइ कामु दिखाएन हइ। पइ परमेसुर की निन्दा के कारन अउरइ खातिर कि तू मनई हुइ कइ अपन आप क परमेसुर बतावति हइ।

33यहूदियन उहिका जबाबु दिहिन कि हम भले कामन के खातिर तोहिका पाथरवाह नाई करति हइ। पइ परमेसुर की निन्दा के कारन अउरइ खातिर कि तू मनई हुइ कइ अपन आप क परमेसुर बतावति हइ।

34यीसु उन्हका जबाबु दिहिन का तोहरी धरम के बेवस्था म नाई लिखा हइ कि हम कहेन, तुई परमेसुर हइ? 35अगर ऊ उन्हका परमेसुर कहिसि, जिन्ह केर

पासइ परमेसुर क वचनु पहुंचा अउर पवित्तर सास्तर
कि बातइ क लोपु नाई हुई सकति। 36तउ जेहिका
बाप पवित्तर ठहराइ कइ जगत म भेजिसि, ऊ ते तुम
कहति हउ कि तू निन्दा करति हइ, यहिते कि हम
कहेन कि हम परमेसुर केर बेटवा हन। 37अगर हम
आपन बाप क काम नाई करति हइ तउ हम पर
बिसवासु न करउ। 38पइ अगर हम करित हइ, तउ
चाहइ हमरी बिसवासु नाई ऊ करउ पइ उइ कामन
की बिसवासु करउ। तुइ जानउ अउर समझउ कि बाप
मोहिमा हइ, अउर हम बाप म हन। 39तबइ उइ फिरि
ते ऊ का पकरइ क परयतन किहिन पइ ऊ उन्ह के
हाथ ते निकर गवा।
40फिरि ऊ यरदन केर पार उइ ठउर प चलइ गवा,
जहां यहुन्ना पहिले बपतिसमा दीन करति रहइ अर
उहइ रहउ। 41अउर बहुतेरे उइके पासइ आइके कहिन,
कि यहुन्ना तउ कउनउ चीन्ह नाई दिखाइसि, पइ
जउन कछु यहुन्ना ई के बारे म कहिस रहइ, ऊ सबइ
सांचु रहइ। 42अउर उहां बहुतेरेन उइ पइ बिसवासु
किहिन।

लाजर केर मउत

11 मरियम अउर उइकी बहिन, मारथा केर गांव
बैतनियाह मा लाजर नामक याक मनई बीमार
रहइ। 2ई उहइ मरियम रहइ जउन परभु पहिलेनि इतर
डारिकइ उइके गौड़वन क अपन बालन ते पोंछिस
रहइ। यही का भाई लाजर बीमार रहइ। 3यहिते ऊ
की बहिनिऊ कहलाइ भेजिन कि हे परभु, देखउ,
जेहिते तू परतीति करत हइ ऊ बीमार हइं।
4ई सुनिकइ यीसु कहिन, ई बीमारी मउत कि नाई,
पइ परमेसुर कि महिमा के खातिर हइ कि उइके जरिए
परमेसुर केर बेटवा कि महिमा हइ। 5अउर यीसु
मारथा अउर ऊ की बहिन अउर लाजर ते परेमु
राखति रहइ। 6यहिते जबइ ऊ सुनिसि कि उइ बीमार
हइ, तउ जेहि जगह पे ऊ रहइ उहां दुइ दिन अउर
ठहरि गवा।
7फिरि ई के बादइ ऊ चेलन ते कहिस कि आउ,
हम फिरि यहूदिया केर चली।
8चेलन उइते कहिन, हे रब्बी, अबइ तउ यहूदी
तुइका पत्थरवाह करइ क चाहति रहइ अउर का तुइ
तबहूं उहर जाति हइ?
9यीसु जबाबु दिहिन, का दिन म बारह घंटा नाई
होत? अगर कउनउ दिन केर चलइ तउ ठोकरु नाई
खाति, काहे ते ई जगत केर उजियार देखइक हइ।
10पइ अगर कउनउ रातेक केर चलइ, तउ ठोकर
खाति हइ? काहे ते ऊ मा परकास नाई।
11यीसु ई बातइ कहिनि, अउर ऊ केर बादि उइते
कहइ लाग कि हमार मित्तर लाजर सोइ गवा हइ, पर
हम उइका जगावइ जाइति हइ।
12तबइ चेलन ऊ ते कहिन हे परभु अगर ऊ सोइ
गवा हउ तउ उइ बचिउ जाई। 13तउ यीसु ऊ की
मिरतु केर बारे म कहिन रहइ, परइ उइ समझेइ कि
यीसु ऊ नींद म सोई जाइ केर बारे म कहिन।
14तबइ यीसु उइते साफइ कहि दिहन कि लाजर
मरि गवा हइ। 15अउर हम तोहरे कारन परसन्न हन
कि हम उहां नाई रहन जेहिते तुम बिसवासु करउ पइ,
अब आवउ हम ऊ के पासइ चली।
16तबइ थोमा जउन द्रिदुमुस कहिलावति रहइ
अपन साथ के चेलन ते कहिस आवउ हमहूं ऊ के
साथइ मरइक चली।

यीसु मरे भये लाजर केर बहिनिन केर धीरज देवत हइ

17यहिते यीसु केर गावं म आइके ई मालूम भवा
कि ऊ का कबर म रक्खे चारि रोज हुइ गये हइ।
18बैतनियाह गांव यरुसलेम केर पासइ कउनउ दुइ
मील की दूरी पइ रहइ। 19अउर बहुतइ यहूदी मारथा
अउर मरियम के पासइ उइके भाई के बारे म सान्ती
देइक खातिर आए रहइं। 20यहिते मारथा यीसु के
आवइ केर समाचार सुनिकइ ऊ ते भेंट करइ केर गई
मरियम घरइ म बइठी रही।
21मारथा यीसु ते कहिसि हे परभु, अगर तुइ इहां
होयतेव तउ हमार भाई कबहूं नाई मरत। 22अउर
अबहूं हम जानित हइ कि जउन कुछु तुइ परमेसुर ते
मंगिहओ परमेसुर तुइका देहइ।
23यीसु इते कहिन, तोहार भाई जी उठि हय।
24मारथा ऊ ते कहिसि हम जानति हइ कि
आखिरी दिन मां पुनरुत्थानइ के समय ऊ जी उठी।
25यीसु ऊ ते कहिनि, पुनरुत्थान अउर जीवनु
हमहीं हन जउन कउनउ मोहिपइ बिसवासु करति हइ
ऊ यदि मरिउ जाय, तबहू जी जइहइ। 26अउर जउन
कउनउ जीवित हइ अउर मोहि पइ बिसवासु करी
बहुत समय तलक न मरि हइ। का तू ई बात प
बिसवासु करति हइ?
27ऊ उइते कहिसि, हां हे परभु हम बिसवासु करि
चुकेन हइ कि परमेसुर केर बेटवा मसीह जउन जगत
म आवइ वाला रहइ, ऊ आपय हओ।
28ई कहिकइ ऊ चली गइ अउर अपन बहिन
मरियम केर चुपकेइ ते बुलाइ के कहिस—गुरु इहे हइ

अउर तुइका बुलावत हइ। 29ई सुनितइ मरियम
उठिकय ऊ केर पासइ आई। 30यीसु अबहू गांव म
नाई पहुंचा रहइ, पइ उहइ जगह न रहइ, जहां मारथा
ते भेंट किहिस रहइ। 31तबइ जउन यहूदी उइके साथइ
घर म रहइ ऊ का सान्ती देत रहइ, ई देखि कइ कि
मरियम तुरतइ उठिकइ बाहर गई हइ अउर ई समझि
के ऊ कबर प रोवइ क जाति हइ ऊ के पाछे हुइ
लिहिनि।
32जइसइ मरियम उहां पहुंची जहां यीसु रहइ
उइका देखतइ ऊ के पांउ प गिरि कइ कहिसि हे परभु
यदि तुइ इहां होति तउ हमार भाई न मरत।
33जबइ यीसु मरियम अउर यहूदियन क जउन ऊ
के साथइ आये रहइ रोवत भये देखिन तउ आतमा
म बहुतइ उदासु भव अउर घबराइ के कहिस तुई ऊ
का कहाँ धरि राखेव हइ? 34उइ ऊते कहिन हे परभु
चलिकइ देखिलेउ।
35यीसु के आँसू बहइ लाग।
36तब यहूदी कहइ लाग, देखउ ऊ वहिते कइस
परेम राखति हइ।
37पइ उनमा ते कितनेउ कहिन, का ई जउन
अन्धरइ कि आंखिन क खोलिनि इहउ नाई करि सका
कि ई मनई न मरति?

लाजर केर जिलाइ जाव

38यीसु मनमइहां फिरि बहुतइ उदासु हुइ कइ कबर
प आवा, ऊ एकु गुफा रहइ अउर याक पाथर उइ पइ
धरा रहइ। 39यीसु कहिनि, पाथर क उठाउ, उइ मरइ
भए कि बहिन मारथा ऊ ते कहइ लागी, हे परभु
उइमा ते अब बदबू आवति हइ, काहे ते उइका मरे
चारि दिन हुइ गए।
40यीसु ऊते कहिन केर हम तुइते नाई कहेन रहइ
कि अगर तुइ बिसवासु करिहइ, तउ परमेसुर केर
महिमा क देखिहव।
41तबइ उइ ऊ पाथर केर हटाइनि, तब यीसु
आंखिन केर उठाइके कहिन हे बाप, हम तोहार
धनवादु करति हइ कि तुइ सबइ हमारि हइ। 42अउर
हम जानित रहइ कि तुइ सबइ हमारि सुनति हइ पर
जउन भीर आसइ पास खड़ी हइ, ऊ केर कारन हम
ई कहेन, जेहिते उइ बिसवासु करइ कि तू हमका
भेजिसि हइ।
43ई कहिकइ ऊ ऊंचेइ सबद ते पुकारिसि कि हे
लाजर, निकरि आउ। 44जउन मरि गवा रहइ, ऊ
कफन ते हाथ–पांव बंधेइ भए निकरि आवा, अउर
वहिका मुंह अंगउछे ते लिपटा भवा रहइ। यीसु उन्ह
ते कहिन, उइका खोलि के जान देउ।

यीसु केर मरवाइ डारेइ केर योजना

45तब तउ यहूदी मरियम केर पासइ आए रहइ
अउर उइका ई काम देखिन रहइ, उन्हमाते बहुतन ऊ
पइ बिसवासु किहिन। 46पइ उन्हमा ते कइयउ
फरीसीसियन के पासइ जाइके यीसु के कामन क
समाचारु दिहिन। 47ई पइ महायाजकन अउर फरीसियन
परधान सभइ के लोगन केर जोरि कइ कहिन, हम
कहित का हइ? ई मनई तउ बहुतइ चीन्ह दिखावति
हइ। 48अगर हम ऊ का अइसइ छोरि देई तब सबइ
उइ पइ बिसवासु लइ अइहइ अउर रोमी आइके
हमारि जगह अउर जाति दूनउ प अधिकारु करि
लइहइं।
49तबइ उइमा ते काइफा नाम का याक मनई जउनु
उइ बरस केर महायाजक रहइ, उइते कहिसि, तुइ
कछुइ नाई जानति। 50अउर न ई सोचति हउ कि तोहरे
खातिर ई भलइ हइ कि हमार लोगन केर खातिर याक
मनई मरइ, अउर न ई कि कुल के कुल जाति नास
होई।
51ई बात क वहु अपन ओर ते नाई कहिसि, पइ
उइ बरस केर महायाजक हुइ कइ आगे कि बात
कहिसि, कि यीसु उइ जाति केर खातिर मरि हइ।
52अउर न केवलु उई जाति के खातिर वरन ई खातिर
ऊ की परमेसुर कि तितर–बितर फैली सन्तानन क
याक करि देइ। 53यहिते उइ दिन ते वइ ऊ का मारि
डारइक राय करइ लाग।
54इहिते यीसु उइ समय ते यहूदिन म परगट हुइ
कइ नाई घूमा, पइ उहां ते जंगल के पासइ के देस
म इफाइम नाम के याक नगरु क चलइ गवा। अउर
अपन चेलन के साथइ उहँइ रहइ लाग।
55अउर यहूदियन केर फसल पासइ रहइ, अउर
बहुतइ लोग फसल केर पहिलेइ दिहात म यरुसलेम
क गए, कि अपने आप केर सुद्ध करइं। 56उइते वइ
यीसु केर ढूंढ़इ अउर मंदिर म खरे हुइकइ आपसइ म
कहइ लाग, तुम का समझति हउ? 57का ऊ परब मा
न अइहइ? अउर महायाजकन अर फरीसियनिउ हुकुम
देइ राखिन रहइ कि अगर कउनउ ई जानइ कि यीसु
कहां हइ, तउ बतावे कि उइका पकरि लेई।

बैइतनियाह गांव मां यीसु केर सुवागत

12फिरि यीसु फसह केर छ दिन पहिलेइ
वैतनिय्याह म आवा, जहां लाजर रहइ,
जेहिका यीसु मरे हुअन म ते जिलाइसि रहइ। 2उहां

उइ ऊ केर खातिर भोजन तइय्यार किहिन अउर
मारथा सेवा करति रहइ अउर लाजर उइ मा ते याक
रहइ जन उइके साथइ भोजन करइ केर बैठे रहइ।
3तबई मरियम जटामसीक आधा सेर बहु मोलक
इतर लइ कइ यीसु केर पावन प डारिस अउर अपने
बालन ते पाउ पोछिसि अउर इतर कि सुगंधी ते घरु
सुगन्धित हुइगा।

4यह वहि केर चेलन म ते यहूदा इस्करियोती
नमक याकु चेला जउनु उइका पकरवाइय रहइ कहइ
लाग। 5ई इतर केर तीनि सउ दीनार म बेचि कइ
कंगालन केर काहे न दिया गवा? 6ऊ ई बात केर इह
खातिर नाई कहिसि कि ऊ का कंगालन केर चिन्ता
रहइ यह ई खतिर कि ऊ चोर रहइ अउर उइ केर
पासइ उन्ह केर थैली रहति रहइ अउर मा जउन कछु
डारा जाति रहइ, ऊ निकारि लेति रहइ।

7यीसु कहिनि उइका हमार गाड़ई जाइ केर दिन के
खातिर रखि देउ। 8काहे ते कंगाल तउ तोहार साथइ
साथ रहति हइ। पर हम तोहार साथ हमेसा न रहिबे।

9यहुदियन म ते साधारन लोगन आइगे कि ऊ उहां
हइ अर उइ न केवल यीसु केर कारन आए यह ई
खातिर कि लाजर केर देखइ, जेहिका ऊ मरे हुअन
म ते जिलाइ रहइ। 10तबइ महायाजकन लाजरउ केर
मारि डारइ क राय किहिन। 11काहे ते उइ केर कारन
बहुतइ यहूदी चलेइ गए अउर यीसु पै बिसवासु
किहिन।

यीसु केर यरुसलेम म परवेस

12दूसरे दिन बहुतइ लोगन जउन परबा म आएइ
रहइ, ई सुनिकइ कि यीसु यरुसलेम म आवति हइ।
13खजूर कि डारन क लइ अउर उइ ते भेंट करइक
निकसे अउर पुकारइ लाग कि होसन्ना, धय हइ
इसराएल केर राजा जउन परभु के नाम ते आवति
हइ।

14जवइ यीसु केर याक गदहा के बच्चा मिला तउ
उइ पर बइठा। 15जइसउ लिखइ हइ, कि हे सिय्योन
की बिटिया मत डरउ देखउ तोहार राजा गदहे केर
बच्चे पे चढ़ा भवा चल आवति हइ।

16उइ के चेलन ई बातइ पहिले न समझे रहइ, पर
जवइ यीसु कि महिमा परगट भइ तउ ऊ का यादि
आई कि ई बातइ उइ के बारे म लिखि भइ हइ अउर
लोगन ऊ तेई परकार क विउहार किहि रहइ।

17जबइ भीर केर लोगन, जउन ऊ समय ऊ केर
साथइ रहइ ई गवाही दिहिन कि ऊ लाजर केर कबर
म ते बुलाइके, मरे हुअन म ते जिलाइसि हय।
18इहइ कारन लोग ऊ ते भेंट करइक आए रहइ, काहे
ते उइ सुनिन रहइ कि वहिने ई अचरज केर काम
दिखाइसि हइ। 19तबइ फरीसियन आपसइ म कहिनि,
सोच तउ सही कि तुम ते कुछु नाइ बनि सकति,
देखउ संसारु ऊ केर पाछे हुइ चला हइ।

यीसु अपन मिरतु केर बारे मा भबिसवानी करत हये

20जउन लोग ऊ परब मा भजन करइक आए रहइ
उइ मा ते कइयउ यूनानी रहइ। 21उइ गलील केर
बैतमैदा केर रहइ वाले फिलिप्पुस केर पासइ आइ के
ऊ ते विनती किहिन, कि श्रीमान, हम यीसु ते भेंट
करइक चाहित हइ। 22फिलिप्पुस आइ कइ अन्द्रियास
ते कहिनि, तबइ अन्द्रियास अउर फिलिप्पुस यीसु ते
कहिनि।

23ई पर यीसु उइते कहिनि ऊ समय आइ गवा इ
कि मनई केर बेटवा कि महिमा होय। 24हम तुहित
साचई–सच कहिति हइ जबइ तलक गेंहूं केर दाना
जमीन म परिकइ मरि नाइ जाति ऊ अकेलइ रहति
हइ। पर जवइ ऊ मरि जात हइ तउ ढेर सारे फल
लावति हइ। 25जउन आपन परान केर पियार जानति
हइ ऊ उइका खोइ देति हइ अउर जउन ई जगत म
अपन परान केर परेम हीन जानति हइ ऊ हमेसा केर
जीवन केर खातिर ऊ कि हिफाजत करि हइ। 26अगर
कउनउ हमार सेवा करइ, तउ हमरे पीछे हुइ लेइ,
अउर जहां हम जाइ ऊ हमार सेवकउ हुइहइ, अगर
कउनउ हमारि सेवा करइ, तउ बापु उइका आदरु
करिहइ।

27अब हमार जिउ घबराइ रहा हइ ई खातिर अब
हम का कही? हे बापु मोहिका ई घरी ते बचाउ? पर
हम इहइ कारन ई घरी केर पहुंचेन हइ।

28हे बाप अपन बाप की महिमा करउ: तबइ ई
आकासवानी भई, कि हम उइकी महिमा किहेन हइ
अउर फिरउ करिब। 29तब जउन लोग खड़े भये सुनि
रहे रहइ, उई कहिन कि बादरु गरजा हइ, अउर
कहिनि कउनउ सरग दूत उइ ते बोला हइ।

30ई पर यीसु कहिन ई सबद हमरे खातिर नाइ पर
तोहरे खातिर आवा हइ। 31अबइ ई जगत केर नियाव
होति हइ अवइ ई जगत क सरदार निकारि दिया जाई।
32अउर हम अगर जमीन पर ते ऊंचे चढ़ाए जइबेइ
तउ सबइक अपन पासइ खिचिहउ। 33अइस कहिकइ
ऊ ई परगट करि दिहिस कि ऊ कइसन मउत ते
मरिहइ।

34ई पर लोगन ऊ ते कहिनि, कि हम बेवस्था कि
ई बात क सुने हइ कि मसीह हमेसा रहिहइ फिर तू

काहे कहति हइ कि मनई के बेटवा केर ऊंचे पर चढ़ावा जाइ केर जरूरी हइ?

35ई मनई केर बेटवा कउन हइ? यीसु वहिते कहिन, जोति अबइ थोरिय देर तलक तोहरे बीच म हइ। जबइ तलक जोति तोहरे साथइ हइ तबइ तलक चलेइ चलेउ, अइस न होइ कि अंधेर तुमका आइ घेरइ, जउन अंधकारु म चलति हइ ऊ नाइ जानति कि किधर जाति हइ। 36जबइ तलक जोति कि सन्तान हउ। इन बातन क कहि कइ यीसु चला गवा अउर वहिते छिपइ रहा।

यहूदियन केर अविस्वासु

37अउर ऊ उन्ह के समूहइ चीन्ह दिखाइसि तबहू उइ उन्ह पर बिसवासु नाइ किहिन। 38जेहिते यसायाह नबी केर बचन पर होय, जउन ऊ कहिसि कि हे परभु हमार समाचार केर कउनउ परतीति (बिसवासु) किहिस हइ? अउर परभु केर भुजबल केहि पइ परगट भवा?

39ई कारन उइ बिसवासु नाई कर सके, काहे ते यसायाह फिरउ कहिसि।

40कि ऊ उइकी आखिन क अंधरी अउर उइका मन कठोर किहिस हइ कहूं अइसन न होय कि वह आखिन ते देखइ अउर मनई ते समुझइ अउर फिर हम उन्हका चंगा करी। 41यसायाह ई बातन केर ई खातिर कहिनि कि ऊ उइकी महिमा केर देखिन।

42तऊ सरदारन म तेउ बहुतन ऊ पइ बिसवास किहिन। पर फरीसियन केर कारन परगट म नाइ मानत रहइ। अइस न होय कि आराधनालय म ते निकारि जाइं। 43काहे ते मनईन केर परसंसा उन्ह का परमेसुर की परसंसा ते अधिक नीक लागत रहइ।

44यीसु पुकारि कइ कहिन, उन जउन मनई हमरे प बिसवासु करत हइ ऊ हमरे प नाइ बल्कि हमरे भेजइ वाले प बिसवासु करत हई। 45अउर जउन हमका देखति हइ ऊ हमार भेजइ वाले केर देखति हइ। 46हम जगत म जोति होइ कइ अएन हइ हन जेहिते जउनउ कउनउ हमरे प बिसवासु करी ऊ अन्धेरे म न रही।

47अगर कउनउ हमारि बातन केर सुनि कइ न मानइ तउ हम उका दोसी नाइ ठहराइति काहे ते कि हम जगत का दोसी नाइ ठहराइति पर संसारु केर उद्धार करइ केर खातिर आए हन। 48जउन हमका तुच्छ जानत हई अउर हमारि बातन क अपनावत नाइ हइ उइका दोसी ठहरावइ वाला याकइ हइ यानी जउन वचन कहेन हइ, वह पिछले दिनन मां ऊ दोसी ठहरइहइ। 49काहे ते हम अपन ओर ते बातइ नाई कहेन पइ बापु जउन हमका भेजिसि हइ उइ मोहिका आग्या दिहिस हइ कि का का कही? अउर का का बोली? 50अउर हम जानित हइ कि उइ कि आग्या हमेसा का जिन्दा रहइ। ई खातिर हम जउन बोलिति हइ ऊ जइसन बापु मोहिते कहिनि हइ वइसनइ बोलिति हइ।

यीसु अपन चेलन केर गोड़ धोवत हइ

13 फसह केर परब ते पहिले जबइ यीसु जानि लिहिन कि हमार ऊ घरी आइ पहुंची हइ कि जगत छोरि कइ बापु केर पासइ जाइ, तउ अपन लोगन ते जउन जगत म रहइ, जइस परेम ऊ राखत रहइ, अन्त तलक वइसइ परेम राखत रहा।

2अउर जबइ सइतान समौन केर पुत्तर यहूदा इस्करियोती के मन मा ई डारि चुका रहइ कि ऊ का पकरिवावइ, तउ भोजन केर समय। 3यीसु ई जानि कइ कि बापु सबइ कछु हमरे हाथ म करि दिहिन हइ अउर हम परमेसुर के पासइ ते आयेन हइ, अउर परमेसुर के पासइ जाइति हइ। 4भोजनु पइते उठि कइ अपन कपड़न केर उतारि दिहिन अउर अंगउछा लइकइ अपन कमर क बांधिनं 5तबइ बासन म पानी भरि कइ चेलन केर गोड़ धोवइ क अउर जेहि अंगउछा ते ऊ की मकर बांधि रहइ वहिते पोंछइ लाग।

6जबइ समौन पतरस के पासइ आवा, तबइ ऊ उइते कहिसि हे परभु।

7का तू हमार पावन केर धोवति हइ? यीसु जबाबु दिहिन कि जउन हम करति हइ, तुइ अब नाई जानति, पइ इहके बादि समझि हइ।

8पतरस ऊते कहिसि, तू हमार पांवन केर कबहूं धोवइ क न पइहो ई सुनिकइ यीसु ऊ ते कहिन अगर हम तुइका न धोई तउ हमरे साथइ तोहार कुछ उ साझा नाई।

9समौन पतरस ऊते कहिसि, हे परभु तउ हमार पावनइ क नाई बल्कि हाथ अउर सिरउ क धोई देउ।

10यीसु ऊते कहिन, जउन नहाइ चुकइ हइ, ऊका पाउ के अलावा अउर कुछउ धोवइक परयोजन नाइ, पइ ऊ पूरी तरह सुद्ध हइ। अउर तुइ सुद्ध हइ पइ सबइ के सब नाई। 11ऊ तउ अपन क पकरवावइ वाले केर जानति रहइ ई खातिर ऊ कहिसि तुम सबहि के सब सुद्ध नाई।

12जबइ ऊ उन्हके पावन क धोइ चुका अउर अपन कपरन केर पहिनि कइ बैठि गवा तउ उइसे कहइ लाग का तुम समझेउ कि हम तोहरे साथ का किएन? 13तुइ मोहिका गुरु अउर परभु कहति हउ अउर ठीकइ

कहति हउ, काहे ते हम वहइ हइ। 14अगर हम परभु
अउर गुरु होइके तोहार पावन का धोएन तउ तुमहुक
याक दुसरे के पावन धोवइ के चाहि। 15काहे ते हम
तुइका नमूना दिखाइ दिहेन हइ कि जइसन हम तोहरे
साथइ किएन हइ तुमहू वइसनइ किया करउ। 16हम
तुइते सचइ सच कहिति हइ, दासु अपन मालिक ते
बड़ा नाई अउर जे भेजा भवा, अपन भेजइ वाले ते।
17तुम तउ ई बातन क जानत हउ अउर अगर उइ पइ
चलउ तउ धन्यइ हउ।

यीसु केर बिसवासुघात केर भबिसवानी

18हम तुइ सबन के बारे म नई कहित, जेहिका हम
चुनि लिएन हइ, उन्ह का हम जानति हइ। पइ ई
खातिर हइ कि पवित्तर सास्तर केर ई बचनु पूर होई
कि जउनु हमार रोटी खात हइ, ऊ मोहि पइ लात
उठाई।

19अबइ हम ऊ केर आइ केर पहिले तुम्हका जताए
देइत हइ कि जबइ उइ जाइ तउ तुम बिसवासु करेउ
कि मै वहइ हन। 20हम तुमते सचइ–सच कहित हइ
कि जउन हमार भेजइ भये केर स्वीकार करत हइ, ऊ
हमहुम स्वीकार करत हइ अउर जउन हमका स्वीकार
करत हइ, ऊ हमार भेजइ वालेउ केर स्वीकार करत
हइ।

21ई बातन केर कहिके यीसु आतमा म घबराइ
गवा अउर ई गवाही दिहिस कि हम तुइते सांचइ–
सांच कहित हन, केर तुइ मा ते याकु हमका पकरिवइ
हइ।

22चेलन ई सन्देहु करित भए कि ऊ केहिके बारे
म कहत हइ याक दुसरई की ओर देखन लाग।
23उइके चेलन मते याकु जेहिते यीसु परेम करति
रहइ यीसु की छाती की ओर झुका भवा बइठा
रहइ। 24तबइ समौन पतरस ऊ की ओर इसारा
करि कइ पूछिस कि बताउ, तउ ऊ केहिके बरे म
कहत हइ?

25तबइ ऊ उइ तरह यीसु की छाती की ओर झुकि
कइ पूछिस हे परभु ऊ कउन हइ? यीसु जबाबु
दिहिन जेहिका ई रोटी का टुकरा डुबाइ केर देइब,
उहइ हइ।

26अउर ऊ टुकरा केर डुबाइ केर कइ समौन के
बेटवा यहूदा इस्करियोती केर दिहिस। 27अउर टुकरइ
लेतइ सैतान उनमा समाइ गवा, तबइ यीसु उइते
कहिनि, जउन तुइ करत हइ, तुरतइ करउ। 28पर बैठइ
वालेन म ते कउनउ नाहि जानिस कि ऊ ई बात ऊते
केहि खातिर कहिस। 29यहूदा केर पासइ थैली रहत
रहइ, ई खातिर कउनउ कउनउ समझसि कि यीसु
उइते कहत हइ कि जउन कुछ हमका परब के खातिर
चहिइय उइका मोल लेइ या ई कि कंगलन केर कछु
देई। 30तबइ ऊ टुकरा लइकइ तुरतइ बाहर चला गवा
अउर ऊ राति क समउ रहइ। पतरस यीसु केर इनकार
करी।

नवा आग्या

31जब यहूदा बाहर चला गवा तब यीसु कहिन,
अब मनई केर बेटवा के महिमवा भइ, अउर परमेसुर
की महिमा ऊमा भई। 32अउर परमेसुर अपन म ऊकी
महिमा करि हइ।

33हे बच्चों, हम अउर थोरी देर तलक तोहरे पासइ
हन, फिरि बाद का तुम हमका ढुढ़िहइ अउर जइस
हम यहूदियन ते कहा वइसइ अब हम तुम तेउ कहति
हइ।

34हम तुमका याक नई आग्या देइति हइ, कि याक
दुसरे ते परेम राखउ जइस हम तुहिते परेम राखेन हइ
वइसइ तुमहूं याक दुसरे ते परेम राखउ। 35अगर
आपस म परेम राखिहउ इहइते सब जनहइ कि तुम
हमार चेला हउ।

36समौन पतरस ऊते कहिसि, हे परभु तुम कहां
जात हइ? यीसु जबाबु दिहिन कि जहां हम जाइति
हइ, उहां तू अब हमरे पीछे आइ नाइ सकत पइ ई
के बादइ हमार पीछे ते अइहइ।

37पतरस ऊ ते कहिसि, हे परभु अबहिन हम
तोहार पाछे काहे नाई आइ सकित? हम तउ तोहरे
खातिर परान देइब।

38यीसु जवाबु दिहिन, का तुइ हमार खातिर अपन
परान देइहओ? हम तोहि ते सांचइ–सांच कहित हइ
कि मुरगा बांग न देइ जबइ तलक तुई तीन बेर हमार
इन्कार नाई कर लेइहइं।

यीसु अपन चेलन कइहन सान्ती देवत हइ

14 तोहार मन बियाकुल न होय तुम परमेसुर
प बिसवासु राखति हउ, हमहूं परउ बिसवासु
राखउ। 2हमार बापु के घर मां बहुतेरे रहइ केर
स्थान हइ, अगर नाइ ऊ होते, तउ हम तुम ते कह
देइति, काहे ते हम तोहरे खातिर जगह तैयार करइ
केर जाइत हइ। 3अगर हम जाइके तोहरे खातिर
जगह करिब तउ फिरि पाछेते आइकेइ तोहिका
अपनेइ इहां लइ जाइब, कि जहां हम रहिब उहइं
तुमहूं रहउ। 4अउर जइहां हम जाइति हइ तुमहूं
उहइ क मारग जानति हउ।

यीसु परमेसुर केर मारग हवै

5थोमा ऊते कहिसि, हे परभु हम नाई जानिति कि
तू कहां जाति हइ? तउ मारग कइसेइ जानी?
6यीसु ऊते कहिन, मारग अउर सच्चाई अउर
जीवनु हमहीं हन, बिन हमरे जरिए कउनउ बाप केर
पासइ नाई पहुंचि सकत। 7अगर तुम हमका जानइ
चाहत हउ, तउ हमार बापु का जानत अउर अब
ऊका जानत हउ अउर ऊका देखउ हइ।
8फिलिप्पुस ऊ ते कहिस, हे परभु बाप केर हमका
दिखइ देउ इहइ हमार खातिर बहुत हइ।
9यीसु उइते कहिन, हे फिलिप्पुस, हम इतने दिनन
ते तोहरे साथ हन अउर का तुइ हमका नाई जानत?
जउन हमका देखिस हइ, ऊ बापु देखिस हइ, तू
काहे कहत हइ कि बापु क हमका दिखाउ। 10का तू
परतीति नाइ करत, कि हम बाप म ते हन, ई बातन
क जउन हम तुमते कहत हइ, अपनेइ ओर ते नाई
कहत, पइ बाप मोहिम रहिकइ अपन कामु करति हइ।
11हमरिउ बिसवासु करउ, कि हम बाप म ते हन,
अउर बाप मोहिमा हइ, नाई तउ का मनई केर कारन
हमारि बिसवासु करउ। 12हम तुमते सचइ कहति हउ
कि जउन मोह पइ बिसवासु राखति हइ, ई काम
जउन हम करति हइ उहउ करिहउ बल्कि इनहुन ते
बड़ेइ काम करिहइ, काहे ते हम बाप के पासइ जाइति
हइ। 13अउर जउन कछु तुम हमार नाम ते मांगिहउ,
उहइ हम करिवइ कि बेटवा के जरिए बाप कि महिमा
होई। 14अगर तुम मोहिते हमरे नात ते कछु मंगिहउ
तउ हम उ करिब।

एकु सहायकु देहहय पवित्तर आतमा

15अगर तुम हमते परेम राखति हउ तउ हमारि
आग्यन क मानिहउ। 16अउर हम बापु ते विनती
करब अउर ऊ तुमका याकु अउर सहायकु देइहइ, कि
ऊ सदइ तोहरे साथइ रहइ। 17यानी सच केर आतमा
जिहिका संसारु स्वीकार नाई कर सकत, काहे, ते ऊ
न उइका देखति हइ अउर न उइका जानति हइ, तुम
तउ ऊका जानत हउ, काहे ते ऊ तोहार साथइ रहत
हइ, अउर ऊ तुममा होई। 18हम तोहिका अनाथ न
छोड़िबे हम तोहरे पास आइति हइ। 19अउर थोरिय
देर रहि गइ हइ कि फिरि संसारु हमका न देखिहइ
पर ऊ तू मोहिका देखिहइ, ई खातिर कि हम जीवित
हन तुमहू जीवित रहिहउ। 20उइ दिन तुम जनिहउ कि
हम अपन बाप म हन, अउर तुम मोहिमा अउर हम
तुम मा हन। 21जेहिके पासइ हमार हुकुम हइ अउर
ऊ उइका मानति हइ, उहइ हमते परेम राखति हइ
अउर जउन मोहिते परेम राखति हइ, ऊ ते हमार बापु
परेम रखिहइ अउर हम ऊ ते परेम राखिब अउर
अपन आप केर उइ पइ परगट करिब।
22ऊ यहूदा जउन इस्कारियोति नाई रहइ, ऊ ते
कहिसि, हे परभु का भवा कि तू अपन आप केर हम
पइ परगट कीन चाहति हउ संसारु पइ नाई।
23यीसु ऊ का जबाबु दिहिन, अगर कउनउ मोहिते
परेम राखइ तउ ऊ हमार बचन केर मनिहइ, अउर
हमार बाप उइते परेम रखिहइ, अउर हम उइके पासइ
आइब अउर ऊ केर साथइ बास करिब। 24जउन
हमते परेम नाई राखत, ऊ हमरे बचनु नाई मानत,
अउर जउन बचनु तुम सुनत हउ, ऊ हमार नाई,
बल्कि बाप केर हइ, जउन मोहिका भेजिस।
25ई बातन क हम तोहरे साथइ रहत भए तुमते
कहिन। 26पइ सहायक यानी पवित्तर आतमा जेहिका
बाप हमार नाम ते भेजिहइ ऊ तुमका सबइ बातइ
सिखाई अउर जउन कछु हम तुमते कहिन हइ ऊ
सबइ तुम का याद कय रहइ। 27हम तुहिका सान्ती
दिए जाइति हइ, अपन सान्ती तुमका देइति, तोहार
मन न घबराई अउर न डेराई।
28तुम सुनेउ कि हम तुइते कहेन जाइति हइ अउर
तोहरे पासइ फिरि आइति हइ, अउर तुम हमते परेम
राखति हउ तउ ई बात ते खुस होव कि हम बाप के
पास जाइत हइ। काहे ते बाप मोहिते बड़ा हइ।
29अउर हम अब ई के होइके पहिलेइ तुमते कहि
दिहिन हइ कि जवइ ऊ हुइ जाय तबइ तुम बिसवासु
करउ। 30मैं अबते तोहारइ साथ अउर बहुतइ नाइ
करब काहे ते ई संसारु केर सरदार आवत हइ अउर
हम ते उइक कुछु नाई 31पइ ई खातिर होति हइ कि
संसारु जानइ कि हम बाप ते परेम राखत हइ अउर
जइसइ बाप हमका हुकुम दिहिन, हम वइसेइ करित
हइ, उठउ, इहां ते चली।

दाखलता अउर डारियां

15 यीसु कहिन सच्चिइय दाखलता हम हन,
अउर हमार बापु किसानु हइ। 2जउन डारि
हममा हइ अउर नाई फलत ऊ काटि डारति हइ,
अउर जउन फलत हइ ऊका छांटति हइ, जेहिते ऊ
अउर फलइ। 3तुइ तइ उइ बचन केर कारन जउन हम
तोहिते कहिन हइ सुध होइ। 4तुइ मोहिमा बनेइ रहेउ
अउर हम तोहिमा। जइइस डारि अगर दाख लता म
बनी न रहइ, तउ अपने आपइ नाई फलि सकत
वइसइ तुमहूं अगर हम मां बनेइ न रह तउ उइ नाई
फलि सकत हउ।

5हम दाख लता हन, तुम डालि हउ, जउन मोहिमा बना रहत हइ अउर हम उइमा ऊ बहुतइ फल फलत हइ, काहे ते मोहि ते अलग होइ कइ तुम कुछउ नाई करि सकत। 6अगर कउनउ मोहिमा बनइ रहइ तउ ऊ डारि की नाई फेंकि दीन जाति अउर सूख जाति हइ, अउर मनई बटोरि कइ आगी मं झोकि देति हइ अउर उइ जलि जात हइ। 7अगर तुम हममा बनेइ रहउ अउर हमारि बातइ तुममा बनी रहइ तउ जउन चाहउ मांगउ ऊ तोहरे खातिर हुइ जाई। 8हमार बापु की महिमा यहिते होति हइ कि तुम बहुतइ फल लाउ, तबइ तुम हमार चेला ठहरिहउ।

9जइस बाप मोहिते परेम राखिन, वइसइ हम तोहिते परेम राखेन, हमरे परेम म बनेइ रहउ। 10अगर तुम हमार आग्या केर मनिहउ, तउ हमरे परेम बनेइ रहिहउ जइस कि हम अपन बाप कि आग्या क मानेव हइ, अउर ऊ के परेम म बनइ रहत हउ। 11हम ई बातन केर तोहिते ई खातिर कहेन कि हमार आनन्द तुम मा बनइ रहइ अउर तोहार आनन्द पूर होइ जायै। 12हमार आग्या ई हइ कि जइस हम तुमते परेम राखेन वइसइ तुमहू याक दुसरे ते परेम राखउ। 13ई ते बड़इ परेम केहुक नाई, कि कउनउ अपन मितर के खातिर अपन परान देइ। 14जउन कछु हम तोहिका आग्या देइत हइ, अगर ऊ करउ तौ तुम हमार मितर हउ। 15अबहिन ते हम तोहिका दास न कहब काहे ते दास नाई जानति कि ओकर स्वामी का करत हइ, पर हम तोहिका साथी कहेन हई, काहे ते हम जउन बातइ अपन बाप ते सुनी हइ उइ सबइ तुमका बताइ दिहेन। 16तुइ हमका नाई चुनेव पइ हम तोहिका चुनेन हइ, अउर तोहिका ठहरावा हइ, जोहि ते तुम जाइ करे फल लाउ अउर तोहार फल बनइ रहइ, कि तुम हमरे नाम ते जउन कछु बाप ते मांगउ ऊ तुमका देइ। 17ई बातन केर आग्या हम तुमका ई खातिर देइत हइ कि तुम याक दुसरे ते परेम राखउ।

संसारु चेलन ते बैरु

18अगर संसारु तुम ते बैरु राखत हइ, तउ तुम जानत हइ कि ऊ तुमते पहिलेइ मोहि तउ बैरु राखिस। 19अगर तुम संसारु के होतेउ, तउ संसारु अपनन ते परेम राखति, पइ ई कारन कि तुम संसारु के नाई हउ, वहिक हमका तुमका संसारु म ते चुन लिहेन हइ ई खातिर संसारु तुमते बैरु राखति हइ। 20जउन बात हम तुमते कहिन रहइ, कि दास अपन स्वामी ते बड़इ नाई होति, उइका यादि राखेउ, अगर उइ हमका सताइन, तउ तुमहुम सतइहइ, अगर उइ हमार आग्या कबहुं मानिन तउ तुम्हरिउ मानि हइं। 21पइ ई सबइ कछु उइ हमरे नाम के कारन तोहरे साथउ करि हइ, काहे ते वइ हमार भेजइ वाले केर नाई जानति। 22अगर हम न आइति अउर उइते बातइ न करित, तउ उइ पापी न ठहरते पइ अब उन्हकउ उइके पाप के खातिर कउनउ बहाना नाई। 23जउन हमते बैरु राखत हइ, ऊ हमार बापउ ते बैरु राखति हइ। 24अगर हम उनहुन म उइ काम न करति जउन अउर कउनउ नाई किएस तउ वइ पापी नाई ठहरते, पइ ब तउ उनहुन मोहि का अउर हमार बाप दुनउ क देखिनि अउर दुनउ ते बैरु किहिन। 25अउर ई खातिर भवा कि ऊ वचनु पूर होई जउन उनकेर धरम बेवस्था म लिखा हइ कि उनहुन मोहिते बेकार म बैरु किहिन। 26पइ जबइ सहायकु अइहइ, जेहिका हम तोहरे पासइ बाप केर ओर ते भेजिवइ, यानी सच कि आतमा जउन बाप की ओर ते निकसत हइ, तउ हमारि गवाही देइ हइ। 27अउर तुमहूं गवाह हउ, काहे ते तुम सुरुइ ते हमरे साथइ रहेइ हउ।

16 ई बातन क हम तुइते ई खातिर कहेन कि तुइ ठोकरु न खाऊ। 2वइ तुम का आराधनालय मते निकर देहइ, बल्कि ऊ समयु आवत हइ कि जउन कउनउ तुइका मारि डलिहै ऊ समझी कि हम परमेसुर की सेवा करित हइ। 3अउर ई वहइ खातिर करिहइं कि उनहुन न बाप केर जानित हइ अउर न हमका जानत हइ। 4पै ई बातन केर हम तुइते ई खातिर कहिन कि जबई उइका समयु आई तउ तोहार याद आई जाई कि हम तुमते पहले कइ दीन रहइ अउर सुरु म हम तुइते ई बातन केर ई खातिर नाई कहिन काहे ते हम तुमरइ साथइ रहेन।

पवित्तर आतमा केर कमवा

5अब हम आपन केर भेजइ वालेइ के पासइ जाइति हइ, अउर तुम मते कउनउ नाई हमते पूछत कि तुम कइां जात हऊ। 6पर हम जउनि ई बातन क तुमते कहिन हइ ई खातिर तोहार मन सोक ते भरि गवा हइं। 7तउ हम तुइते सचइ कहित हइ, कि हमार जाइक तोहरे खातिर नीकइ हइ, काहे ते अगर हम न जाई, तउ ऊ सहायक तोहरे पासइ न आई। पर अगर हम जाइव तउ ऊका तोहरे पासइ भेजि देइब। 8अउर ऊ आइकइ संसारु केर पापु अउर धारमिकता अउर नियाउ के बारे म निरुत्तर करि देइ। 9पाप के बारे में ई खातिर कि वइ मोहि पर बिसवासु नाई करी। 10अउर धारमिकता केर बारे म ई खातिर कि हम बापु

के पासे जाइति हइ। [11]अउर तुम हमका फिरि नाई
देखिह, नियाउ के बारे म ई खातिर कि संसारु केर
सरदार दोसी ठहरावा गवा हइ।
[12]हमका तोहिते अउर उइ बहुतइ बातन क कहइक
हई, पर अबही तुम उइका सहि नाई सकति हऊ।
[13]पर जबइ ऊ यानी सच केर आतमा अइहइ तउ
तोहिका सबइ सच का मारग बतइहइ। काहें ते ऊ
अपन ओर ते न कहिहइ। मुला जउन कछु सुनिहइ
उहइ कहि हइं। अउर आवइ वाली बातन केर तोहिका
बतइहइं। [14]ऊ हमार महिमा करि हइं काहे ते ऊ
हमार बातन मते लइ कइ तुहिका बतइहइ। [15]जउनउ
कुछु बापु कहइ ऊ सबइ हमार हइं। ई खातिर हम
कहेन कि ऊ हमार बतिया मा ते लइकइ तोहिका
बतइहइ।

चेलन केर सोक आनन्दु बनी

[16]कछु देर म तुइ हमका नाई देखिहउ। अउर फिरि
थोरिय देर मा हमका देखिहउ।
[17]तबइ ऊके कितनेइ चेला आपसइ म कहिन ई
का हई जउन उइ हमते कहत हई कि थोरिय देर म
तुम हमका नाई देखिहउ? अउर फिर थोरी देर मा
मोहिका देखिहउ? अउर इव ई खातिर कि हम बापु
के पासइ जाइत हइ।? [18]तबइ उइ कहिन ई थोरिय
देर जउन ऊ कहति हइ का बात हइ? हम नाई
जानिति, कि का कहत हई।
[19]यीसु ई जानिकइ कि वह हमते पूछब चाहति
हइ। उइते कहेन का तुम आपास म हमार ई बातन
केर पूछताछ करत हउ? कि थोरिय देर म तुम हमका
नाई देखिहउ। अउर फिरि तुम थोरिय देर म मोहिका
देखिहउ। [20]हम तुमते सचइ—सच कहित हइ कि तुम
रोइहउ अउर विलाप कहिउ, यहि संसारु आनन्दु करि
हइ, तुमका सोक होइहइ पर तोहार सोक आनन्दु बनि
जइहइ। [21]जबइ अउरत बच्चे केर जनइ लागत हइ
तउ ईका सोक होति हइ काहे ते उइकी दुखइ की घरी
आइ पहुंचति पर जवइ ऊ बालक जनि चुकि हइ
तबइ ई आनन्दु ते कि जगत म एक मनई जनमा हइ।
ऊ संकट केर फिरि यादि नाई करति हइ। [22]अउर
तुमहूं केर अबतउ सोक हइ, पर हम तुमते फिरि
मिलिबइ अउर तोहरे मन म आनन्दु होई अउर तोहार
आनन्द कउनउ तुहिते छीनि न लेइहइ। [23]ऊ दिन तुम
मोहिते कछु न पुछिहेव हम तोहिते सचइ सच कहित
हई। अगर बाप ते कछु मंगिहउ तउ ऊ हमार नाम ते
तुइका देइ हइं। [24]अबइ तलक तुइ हमारि नाम ते
कुछउ नाई मांगेउ। मंगिहउ तउ पइहउ जेहिते तुम्हार
आनन्दु पूर होइ जाई।
[25]हम ई बातन क तुइते उदाहरनन म कहेइ हई,
पर ऊ समयु आवत हई, कि हम तुइते उदाहरननु म
नाई कहिबइ, पर खोलि कइ तुमका बापु केर बारे म
बताइब। [26]ऊ दिन तुइ हमार नाम ते मंगिहउ, अउर
हम तुइते ई नाई कहिस कि हम तोहरे खातिर बापु
ते विनती करब। [27]काहे ते बाप तउ आपइ तुइते परेम
राखत हई, ई खातिर कि तुइ मोहिते परेम राखत हइ।
अउर इहइ परतीत कीन हइ कि हम बाप की ओर ते
निकर आएन। [28]हम बाप ते निकर कइ जगत म
आएन हइ फिरि जगत क छोरि कइ बाप के पासइ
जाइत हइ।
[29]ऊ के चेलन कहिन, देखउ, अब तउ तुइ खोलि
कइ कहत हइ, अउर कउनउ उदाहरनु नाई कहत।
[30]अब हम जनि गएन कि तुइ सबइ कुछु जानित हइ,
अउर उइका परयरेजन नाई, कि कउनउ तुइते पूछइ,
ई ते हर परतीति करित हई कि तुइ परमेसुर ते निकरि
आवु।
[31]ई सुनि कइ यीसु उइते कहिन, का तुम अब
परतीति करत हऊ? [32]देखउ ऊ घरी आवति हइ,
बल्कि आइ पहुंची हइ कि तुम सब तितर—बितर
हुइके अपन—अपन मारग लइहउ अउर मोहिका अकेलेइ
छोरि देहउ तउ हम अकेल नाई काहे ते बाप हमरेइ
साथेइ हइ।
[33]हम ई बातन क तुइते ई खातिर कहिन हइ कि
तोहिका मोहिका सान्ति मिले, संसारु म तुइका
कलेसु होति हइ अइस ढांढ़स बांधउ, हम संसारु का
जीति लिहिन हइ।

अपन खातिर यीसु केर पराथना

17 यीसु ई बातइ कहिन अउर अपन आंखिन
क आकास केर ओरइ उठाइ कइहन हे बापु
ऊ घरी आइ पहुंची हइ, अपन बेटवा केर महिमा
करउ कि बेटवा तोहार महिमा करइ। [2]काहे ते तू
उइका सबइ परानिन यइपर अधिकारु दिहेउ कि जिन्ह
का तूइ ऊ का दिहिसि हइ, उइ सबन केर ऊ अपारु
जीवनु देइ। [3]अउर अनन्त जीवनु ई हइ, कि उइ तुह
अद्धेत सच्चेइ परमेसुर क अउर यीसु मसीह केर
जेहिका तुइ भेजिस हइ, जानइ। [4]जउनु कामु तुइ
मोहिका करइ केर दिहिस रहइ, ऊ का पूरा करि कइ
हम धरती प तोरि महिमा किएन हइ। [5]अउर अबइ
हे बापु तू अपन साथइ हमारि महिमउ ऊ महिमा ते
करइ जउन जगत के होइते पहिलेइ हमारि तोहरे साथइ
रहइ।

अपन चेलन खातिर यीसु केर पराथना

6हम तोहार नाम उइ मनईन पर परगट किएन जउनु
तुइ जगत म ते मोहि दिहस वइ तेरेइ रहइ अउर तुइ
जगत म ते मोहिका दिहिस अउर जउनउ तोहरे वचन
क मानि लीन हइ। 7अब वइ जानि गएन हइ कि
जउनु कुछ तुइ मोहिका दिहसि हइ, सबइ तोहरेइ ओर
ते हइ। 8काहे ते जउनु बातइ तुइ मोहिका पहुंचाइ
दिहिस हम उनहुन क उइका पहुंचाइ दिहेन अउर
उनहुन उइका गरहन किहिन अउर सचइ सच जानि
लिहिन हइ कि हम तोहर ओर ते निकलेन हइ अउर
परतीति करि लिहेन हइ कि तुहिइ मोहिका भेजिसि।
9हम उइ केर खातिर विनती करत हन संसारु के
खातिर विनती नाइ करित हइ पर उनहिन के खातिर
जिनहिन क तुइ मोहिका दिहिस हइ काहे वह तेरेइ
हइ। 10अउर जउनु कुछु हमार हइ ऊ सबइ तोहार हइ
अउर जउन तोहार हइ ऊ हमार हइ अउर इनहिन ते
हमारि महिमा परगट भई हइ। 11हम आवइ वाले
जगत म नाइ रहिबइ, पर ई जगत म रहिहइ अउर हम
तोहरे पासइ आइति हइ। हे पवित्तर बाप अपन उइ
नाम ते जउनु तू मोहिका दिहिस हइ उइ की रच्छा
करउ कि हमरेइ नाइ एकु होइ। 12जबइ ते हम उइके
साथई रहेन तउ हम तोहरे उइ नाम ते जउनु तुइ हमका
दिहिसि रहइ उइकी रच्छा करउ, हम उइ की चौकसी
किहेन अउर विनास होइ वाले पुत्तर केर छोरि उइ
मा ते कउनउ नास न भवा, इ खातिर कि पवित्तर
सास्त्र कि बात पूरी होय।

13पर जबइ हम तोहरे पासइ आइत इह अउर ई
बातन केर जगत मे कहित हइ कि उइ हमार आनन्दु
अपन म पूरइ पावइं। 14हम तोहर वचन इका पहुचाई
दिएन हइ, अउर संसारु उइते बैरु किहिस, काहे ते
जइस हम संसारु केर नाइ वइसेइ उहउ संसारु केर
नाई। 15हमई विनती नाइ करिति कि तुइ उइ का
संसारु ते उठाइ लेइ परइ कि तू उइका ऊ दुसट ते
बचाइ राखउ। 16जइसइ हम संसारु के नाइ, वइसइ
वइ उ संसारु के नाई। 17सांच के जरिए उइका
पवित्तर करउ तोर वचनु सांचइ सांच हइ। 18जइसन
जंगल म तुई मोहिका भेजिस, वइसइ हमहू उइका
जगत म भेजेन। 19अउर उइके खातिर हम अपन
आपक पवित्तर करित हइ जेहिते उइ उ सांच के जरिए
पवित्तर किएइ जाय।

कुल विसवासियन खातिर यीसु पराथना किहिन

20हम केवल उनहु के खातिर विनती नाइ करित,
पर उइ केर खातिर उ जउन इन केर वचन के जरिए,
मोहि पर बिसवासु करहइ कि वह सबइ याक होई।
21जइस तुइ हइ बापु मोहिमा हइ अउर हम तुइमा हन
वइसइ वहू हमते होय, ई खातिर कि जगत परतीत
करइ कि तुही मोहिका भेजिसि। 22अउर उइ महिमा
जउनु तुइ मोहिका दिहिस, हम उइका दीन हइ कि उइ
वइसइ याक होइ जइसइ कि हम हई। 23हम उइमा
अउर तू मोहिमा कि उइ सिद्ध हु कइ याक होइ जाय
अउर जगत जानइ कि तूही ने मोहिका भेजिसि अउर
जइसइ तू मोहिते परेम राखिस वइसइ उइ तेउ परेम
राखउ।

24हे बाप हम चाहित हइ कि जउन तुइ मोहिका
दिहिस हइ, जहां हम हन उहइ उइ हमार साथइ होई
कि वह हमार ऊ महिमा क देखइ जउन तू मोहिका
दिहिस हइ काहे ते तू जगत केर उत्पति के पहिलेइ
मोहिते परेम राखेउ।

25हे धरम केर बाप संसारु मोहिका नाई जानिस
पर हम तोहिका जनिन अउर इनहुन जानिन कि तुहइ
मोहिका भेजिस। 26अउर हम तोहार नाम उइका
बताएन अउर बतावइ रहिहउ कि जउन परेम तुइका
मोहिते रहइ, उ उन्ह मा रहइ अउर हम उइमा रही।

यीसु केर बन्दी होय

18यीसु ई बातइ कहिकइ अपन चेलन केर
साथइ कि द्रोन के नालेइ के पार गवा।
उहां याक बारी रहइ, जेहिमा ऊ अउर उइके चेलउ
गए।

2अउर उइका पकड़इ वाला यहूदउ ऊ जगह जानत
रहत, काहे ते यीसु अपन चेलन केर साथइ उहां
जावा करत रहइ। 3तबइ यहूदा पलटन केर अउर
महायाजकन अउर फरीसियन की ओर ते प्यादन केर
लइ कइ दियन अउर मसालन अउर हथियारन क
लिएइ भए उहां आवा।

4तबइ यीसु उइ सबइ बातन केर जउन ऊ पइ
आवइ वाली रहइ, जानि कई निकरा—अर उइते कहइ
लाग केहिक ढूंढ़ति हऊ?

5उइ ऊ का जबाबु दिहिस यीसु नासरी केर यीसु
उइते कहिस हमही हन, अउर उइका पकरइ वाला
यहूदउ उइ केर साथइ ठाढ़ रहइ। 6उइके ई कह तइ
कि हम हन, वह पीछ केर हटि कइ भूमि पर गिरि
पड़े।

7तबइ ऊ फिरि उइते पूंछिसि, तुइ केहिका ढूंढ़ति
हओ।

8वइ कहिनि, यीसु नासरी केर यीसु जबाबु दिहिस,
हम तउ तुइसे कहि चुकेन कि हम ही हन, अउर

हमका ढूंढत हउ तउ इनका जान देउ। 9ई इह खातिर
भवा कि ई बचनु पूर होय, जउन उइते कहिस रहइ
कि जिनहका तुइ हमका दिहिस उइमा ते हम यकउ
केर न खोएन।
10समौन पतरस तलवार केर, जउनु ऊ केर पासइ
रहइ, खींचिस अउर महायाजक केर दास पर चलाइ
कइ ऊ का दहिने कान का उड़ाइ दिहिस, उइ दास
केर नाम भलसुख रहइ।
11तबइ यीसु पतरस ते कहिन, अपन तलवर केर
काठी म राखउ जउन कटोरा बाप मोहिक दिहिन हइ
का हम उइका न पी?

यीसु महायाजक हन्ना केर सामने

12तबइ सिपाहिन अउर उइके सूबेदारन अउर यहूदियन
केर प्यादन यीसु केर पकरि कइ बांधि लिहिन।
13अउर पहिलेई ऊ का हन्ना केर पासइ लइ गये,
काहे ते ऊ उइ बरस केर महायाजक काइफा केर ससुर
रहइ। 14ई उहइ काइफा रहइ जेहि यहुदियन केर
सलाह दिहिस रहइ कि हमार लोगन केर खातिर याक
मनई केर मरबु अच्छा हइ।

पतरस केर पहिल बार इंकार

15समौन पतरस अउर याक अउर चलेउ यीसु केर
पाछे हुइ लिहिस ऊ चेला महायाजक का जनइ
पहचान रहइ अउर यीसु के साथइ महायाजक केर
अंगनइ म गवा। 16पर पतरस बाहरइ दुआर प खड़इ
रहा, तबइ ऊ दूसर चेलन जउन महायाजक केर जाना
पहिचानइ रहइ, बहिरइ निकरा अउर दुआर पालिन ते
कहि कइ पतरसउ केर भीरइ लइ आवा।
17ऊ दासी जउन दुआरपालिन रहइ, पतरस ते
कहिस, का तुहउ ई मनई के चेलन म ते हउ? ऊ
कहिस हम नाई हन।
18दासइ अउर प्यादइ दंड केर कारन कोयलन केर
धधकाइ केर खरइ तापि रहे रहइ अउर पतरस उइके
साथइ खरइ तापि रहा रहइ।

यीसु केर सवाल जवाबु

19तबइ महायाजक यीसु ते उइके चेलन के बारे मं
अउर उ केर उपदेस केर बारे म पूछिसि।
20यीसु उइका जवाबु दिहिस कि हम जगत खुलिकइ
बातन केर किहेन हम सभन अउर आराधनालय ऊ
मा जहां सबइ यहूदी इकठा हुआ करत रहइ सदा
उपदेसु किहेन अउर गुपुत कछुउ नाइ कहेन। 21तुइ
मोहिते काहे पूछत हइ? सुनइ वालेन ते पूछउ कि हम
उइते का कहेन? देखउ वइ जानति हइं कि हम का
का कहेन?
22जबइ ऊ ई कहिस, तउ प्यान मते याक जउनु
पासइ ठार रहइ, यीसु केर थप्पर मारि कइ कहिस का
तूई मा याजकन केर ई परकार ते जवाबु देत हओ।
23यीसु उइ का जबाबु दिहिन, अगर हम बुरा
किहेन तउ ऊ बुराई प गवाई देउ, पर अगर भलइ
कहेन तउ मोहिका काहे मारत हओ? 24हन्ना उइ
बंधे भये काइफा महायाजक केर पासइ भेजि दिहिस।

पतरस केर दूसर अउर तीसर इनकार

25समौन पतरस ठार होके तापत रहा। तबइ उइ
ऊते कहिन, का तुइउ ऊ के चेलन म ते हउ? ऊ
इनकार करि कइ कहिस हम नाइ हन।
26महायाजक म ते याक जउनु ऊ केर कुटुम्ब म
ते रहइ जेहिक कान पतरस काटि डारिसि बोला का
हम तुइका ऊ केर साथइ बारी म नाइ देखेत रहइ?
27पतरस फिरउ इनकार करि गवा अउर तुरन्तई मुरग
बांग दिहिस।

राजपाल पीलातुस केर सामने

28अउर उइ यीसु का काइफा केर पासइ किले म
लइ गये अउर भोर का समउ रहइ, पर उइ खुदइ
किले केर भीतर नाइ गए जेहिते असुध न होइ, पर
फस क खइ सकइ। 29तबइ पीलातुस उइके पासइ
बाहर क निकर आवा, अउर कहिस, तुइ ई मनई प
की बात कि नाजिस करति हउ?
30उइ ऊ का जबाबु दिहिन, कि अगर ऊ कुकर्मी
न होति तउ हम उइका तेरे हाथइ नाइ सौंपित।
31पीलातुस उइते कहिस, तुई ई का लइ जाइ कइ
अपन बेवस्था केर अनुसारइ ऊ का नियाउ करउ:
यहूदियन ऊ ते कहिनि, हमका अधिकार नाइ कि
कउनउ क परान लेई। 32ई खातिर भवा कि यीसु क
ऊ बात पूरिइ हुइ जाय जउन वहिते ई पता देति भए
कहिसि रहइ, कि उइका मरबु कइस होई।
33तबइ पीलातुस फिर किलेइ केर भीतरु गवा अर
यीसु क बुलाइ कइ, ऊ ते पूछिसि का तू यहूदियन
क राजा हइ?
34यीसु उत्तरु दिहिन, का तू ई बात क अपनइ
ओर ते कहति हइ या अउरनउ हमार बारे म तुइते
कहिनि।
35पीलातुस जबाबु दिहिस का हम यहूदी हन?
तोरिइय जाति केर अउर महायाजकन तुइका हमरे
हाथइ सौंपिन, तू का कहिस हई?

36यीसु जबाबु दिहिन कि हमार राज ई जगत
कानाइ, अगर हमार राज ई जगत का होति, तउ हमार
सेवक लरते, कि हम यहूदियन केर हाथन म सौंपा
नाई जाइति पर अब हमार राज इहक नाई
37पीलातुस ऊ ते कहिसि, तउ का तुइ राजा हइ,
यीसु जबाबु दिहिन कि तू कहति हइ, काहे ते हम
राजा हन, हम ई खातिर जनम लिहेन अउर ई खातिर
जगत म आए न हइ कि सांचु प गवाही देई जउनउ
कउनउ सांचु कहइ ऊ हमार सबद सुनति हइ।
38पीलातुस ऊ ते कहिस, सत्य का हइ? अउर ई
कहि कइ ऊ फिरि यहूदियन केर पासइ निकरि गवा
अउर उनहुन ते कहिस, हम तउ ऊ मा कछु दोसु नाइ
पाइति। 39पर तोहार ई रीति हइ कि हम फसह म
तोहरे खातिर एक मनई का छारि देइ तउ का तुइ
चाहत हइ कि हम तोहरे खातिर यहूदियन केर राजा
केर छाड़ि देई।
40जबइ उई फिरि चिल्लाइ केर कहिनि, ई का
नाई, पर हमार खातिर बरअब्बा केर छारि देउ अउर
बरअबबा डाकू रहइ।

यीसु कइहन सलीबी केर मौत

19ई पई पीलातुस यीसु केर लइ कइ कोड़े
लगवाइसि। 2अउर सिपाहिन कांटन का मुकुट
गूंथि कइ ऊ केर सिर पर राखिन अर ऊ का बैंगनी
कपरा पहिनाइन। 3अउर ऊ केर पासइ आइ केर कहइ
लाग, हे यहूदियन केर राजा, परनाम। अर उइकेर
थप्परउ मरिन।
4तब पीलातुस बाहर निकरि कइ लोगन ते कहिस
देखउ, हम उइका तोहरे पासइ फिरि बाहर लाइति हइ
जेहिते तुम जानउ कि हम कछुइ दोसु नाई पाइत।
5तबई यीसु कांटन केर मुकुट अउर बैंगनी कपरन केर
पहिरे भये बाहर निकरे अउर पीलातुस ऊ ते कहिनि
देखउ ई मनई क।
6जबइ महायाजकन अउर प्यादन उइका देखिनि
तउ चिल्लाइ केर कहिनि कि उइका सलीब प चढ़ाउ,
सलीब प, पीलातुस उइते कहिसि, तुइ उइका लइकइ
सलीब प चढ़ावउ, काहे ते हम उइ मा दोसु नाइ
पाइत।
7यहूदियन ऊ का जबाबु दिहिनि, कि हमरिउ
बेवस्था हइ अउर ऊ बेवस्था केर अनुसारइ ऊ मारइ
जाइ केर योगइ हइ काहे ते ऊ अपन आपके परमेसुर
केर बेटवा बनाइस।
8जबइ पीलातुस ई बात क सुनिसि त अउरउ डरि
गवा। 9अउर फिरि किलइ केर भीतरे गवा अउर यीसु
ते कहिसि तू कहां क हइ? पर यीसु उइते कुछउ
जबाबु नाइ दिहिस। 10पीलातुस उइते कहिस, मोहिते
काहे नाइ बोलति? का तू नाइ जानत कि तुइका छोरि
देइक अधिकारु हमका हइ अउर तुइका सलीब प
चढ़ावइ केर मोहिका अधिकारउ हइ।
11यीसु जवाबु दिहिसि कि अगर तुइका ऊपर ते
न दिया जात, तउ हमार तुइ पर कछुइ अधिकारु नाइ
होत। ई ते जउन मोहिका तोहार हाथन पकरिवाइसि
हइ, ऊ का पापु अधिकइ हइ।
12ई ते पीलातुस ऊ का छोरि देइ चाहिस पर
यहूदियन चिल्लाइ चिल्लाइ कहिनि, अगर तू ईका
छोरि देहउ तउ तोरिइ भक्ती कैसर को ओरइ नाई
जउन कउनउ अपन आप केर राजा बतियाइति हइ ऊ
कैसर क सामना करति हइ।
13ई बातन केर सुनिकइ पीलातुस यीसु केर बाहर
लावा अउर ऊ ठउर याक चबूतरा रहइ जउन इबरानी
म गब्बथा कहलावत हइ, अउर नियाउ केर आसन
पर बइठा। 14ई फसह कि तयारी केर दिनु रहइ अउर
छठवें घंटे केर लगभग रहइ, तबइ ऊ यहूदियन ते
कहिसि, देखउ इहइ हइ तोहार राजा।
15यह वह चिल्लाइ लागे कि लइ जाउ, लइ
जाउ, ऊ का सलीब पर चढ़ाई? महायाजकन जबाबु
दिहिन कि कैसर को छोरिकइ हमार कउनउ राजा नाई।
16तबइ ऊ उइका उइके हाथन सौंपि दिहिन जेहिते
ऊ सलीब पइ चढ़ि जाय।

यीसु कइहन सलीब दिन गवा

17तब उइ यीसु केर लइ गए अउर ऊ अपन
सलीब उठाए भए उइ ठउर तलक बाहरइ गवा, जउन
खोपड़ि केर ठउर कहावति हइ अउर इबरानी म
गुल–गुता। 18उहइ उइ ऊ का अउर ऊ केर साथइ
अउर उइ दुई मनईन केर सलीब पइ चढ़ाइन, याक
केर इधर अउर याक केर उधर अउर बीच म यीसु क।
19अउर पीलातुस याक दोस पत्तर लिखिकइ
सलीब प लगाइ दिहिस अउर ऊ मा यहू लिखा
रहइ, यीसु नासरी यहूदियन केर राजा। 20ई दोस
पत्तर केर बहुतइ यहूदियन पढ़िनि, काहे ते ऊ ठउरू
जहइ यीसु सलीब प चढ़ावा गवा रहइ नगर केर
पासइ रहइ अउर पत्तर इबरानी अउर लतीनी अउर
यूनानी म लिखा भवा रहइ। 21तब यहूदियन केर
महायाजकन पीलातुस ते कहिन यहूदियन केर राजा
मत लिखउ, पर ई कि उइ कहिसि हम यहूदियन केर
राजा हन।
22पीलातुस जबाबु दिहिसि कि हम जउन लिखि

दिहेन ऊ लिखि दिहेन।
23जबइ सिपाही यीसु केर सलीब प चढ़ाइ चुके
तउ उइके कपरन केर लइके चीरिन अउर चार भाग
किहिन हर सिपाही केर खातिर याक भाग अउर
कुरतउ लिहिस पइ कुरता विनई सिया भवा ऊपरि ते
नीचेइ तलक बुना भवा रहइ। ई खातिर उइ आपसइ
कहिनि, हमई का न फारी मुला ई पइ चिट्ठी डारी कि
ऊ केहिका होई।
24इवई खातिर भवा कि पवित्तर सास्तरउ कि बात
पूरी होइ कि उइ हमार कपरन केर आपसइ म बांटि
लेय अउर हमार कपरा पइ चट्ठी डारइ वहु सिपाहिन
एक इ किहिन।
25पइ यीसु केर सलीब केर पासइ ऊ की महतारी
केर बहिन मरियम क्लोपास की बीबी अउर मरियम
मगदलीनी खरी रहइ। 26यीसु अपनी महतारी अउर
उइ चेले केर जेहिते ऊ परेम राखति रहइ पासइ खरेइ
देखिकइ अपन महतारी ते कहिस, हे मेहरारु, देखउ,
ई तोहार पुत्तर हइ। 27तब ऊ चेले ते कहिस, ई
तोहारि महतारी हइ, अउर जइस भउ ऊ चेला, ऊ
का अपन घर केर लइ गवा।

यीसु केर मिरतु

28ई केर बादि यीसु ई जानिकइ कि अब सबइ हुइ
चुका, ई खातिर कि पवित्तर सास्तर कि बात पूरी
होई, कहिसि, हम पियासे हन। 29उहइ याक सिरके
ते भरा भवा बरतन धरा रहइ, यहि ते उइ सिरके म
भिगोये गए भए इस्पंज केर जूफे पइ रखि कइ ऊ केर
मुंह म लगाइन। 30जबइ यीसु उइ सिरका केर
लिहिन, त कहिन, पूर भवा अउर सिर झुकाइ कइ
परान निकारि दिहिन।
31अउर ई खातिर कि ऊ तयारी केर दिनु रहइ,
यहूदियन पीलातुस ते विनती किहिन कि उइकी टांगइ
तोरि दी जाय, अउर उइ उतरि जाय जेहिते सबत केर
दिन ऊ सलीब प न रहइ काहे ते ऊ सबत केर दिनु
बड़ा दिनु रहइ। 32यहिते सिपाहिन आइ कइ पहिलेइ
कि टांगन केर तोरिन ई केर बादि दुसरेन कि जउन ऊ
केर साथइ सलीब पइ चढ़ाए गये रहइं। 33पइ जबइ
यीसु केर पासइ आइकइ देखिन कि ऊ मरि चुका हइ,
तउ ऊ की टांगन क न तोरिन। 34पइ सिपाहिन म ते
याक बरछे ते उनका पंजरु बेंधिसि अउर उइ मां
ते तुरतइ लोहू अउर पानी निकसा। 35जउन ई
देखिस, उहइ गवाहिउ दिहिस अउर ऊ की गवाही
सच्ची हइ, अउर ऊ जानति हइ कि सांचइ कहत
हइ कि तुमउ बिसवासु करउं। 36ई बातइ ई खातिर
भइ कि पवित्तर सास्तर की ई बात पूरी होई कि
उइ की कउनउ हड्डी तोरी न जाई। 37फिरि याक
अउर पइ ई लिखा हइ, कि जेहिका उइ बेधिन हइ
ऊ पइ निगाह करि हइ।

यीसु केर लास कइहन कबर मां रखा गवा

38ई बातन केर बादइ अरमतियाह केर यूसुफ,
जउन यीसु केर चेला रहइ डर ते ई बातन छिपाएइ
राखत हइ। पीलातुस ते विनती किहिस कि हम यीसु
केर लोथ केर लइ जाई, अउर पीलातुस उइ की
विनती सुनिस, अउर उइ आइ कइ ऊ की लोथ केर
लइ गवा। 39निकुदेयुसउ जउन पहिले यीसु केर
पासइ राति केर गवा रहइ पचास सेर केर करीब
मिलइ भवा गन्धरस अउर एलवा लइ आवा। 40तबइ
उइ यीसु केर लोथ कइ लइकइ अउर यहूदियन केर
गाड़इ कि रीति केर अनुसारइ उइ सुगन्ध केर सामान
केर साथइ कफन म लपेटिसि। 41उइ जगह प, जहां
यीसु सलीब पइ चढ़ावा गवा रहइ, याक बारी रहइ,
अउर उइ बारी म याक नई कबर रहइ, जेहिमा कबहूं
कोई न रखा गवा रहइ। 42यहिते यहूदियन कि तयारी
केर दिनु केर कारन, उइ यीसु केर वहिमा राखि
दिहिन, काहे ते उ कबर निकटइ रहइ।

कबर खाली मिलत हये

20 हफ्ता केर पहिलेइ दिनइ मरियम मगदलीनी
भोरु केर अंधेरइ रहतइ कबर प आई, अउर
पाथर केर हटइ भवा देखिस। 2तबइ ऊ दौड़ी,
अउर समौन पतरस अउर उइ दुसरइ चेन केर
पासइ जेहिते यीसु परेम राखत रहइ, आइ कइ
कहिस, वइ परभु केर कबर मां ते निकार लइ गये
हइं, अउर हम नाई जानत कि ऊ का कहां राखि
दिहिन हइ।
3तबइ पतरस अउर ऊ दूसर चेला निकर कइ कबर
कि ओरइ चले। 4अउर दोनउ साथइ साथ दौरि रहे
रहइ, पइ दूसर चेला पतरस ते आगेइ बढ़ि कइ कबर
प पहिलेइ पहुंचि गवा। 5अउर झुकि कइ कपरन केर
परे देखिसि तउ ऊ भीतर न गवा। 6तबइ समौन
पतरस उइ केर पीछेइ पीछे पहुंच गवा अउर कबर केर
भीतरइ गवा अउर कपरन केर परे देखिसि। 7अउर ऊ
अंगोछइ केर जउन ऊ केर सिर ते बंधइ भवा रहइ,
कपरन केर साथइ परा भवा नाई, बल्कि अलगइ एक
ठउर लपेटा भवा देखिस। 8तबइ दूसर चेलउ जउन
कबर प पहिलेइ पहुंचा रहइ भीतर केर गवा अउर
देखिकइ बिसवासु किहिन। 9वइ तउ अबहिन तलक

पवित्तर सास्तर कि उइ बातन केर नाई समझत रहइ;
कि ऊ का मरे हुवन म ते जी उठइ केर होई।

मरियम मगदलीनी केर दरसन

10तबइ ई चेले अपन घर केर लौटि गए। 11पइ
मरियम रोवं भई कबर केर पासइ बहिरइ खरी रही
अउर रोवत–रोवत कबर कि ओरइ झुकि कइ, 12दूइ
सरग दूतन केर सफेद कपरे पहिने भए याक क
सिरहने अउर दुसरे क पैताने बइठि देखिसि जहां
यीसु की लोथ परी रहइ।
13उइ ऊते कहिन, हे मेहरारु, तू काहे रोवत हआ?
ऊ उइते कहिस, उइ हमार परभु केर उठाइ लइ गए
अउर हम नाई जानित कि उइका कहां राखिन हइ।
14ई कहिकइ ऊ पीछे फिरि अउर यीसु केर खड़ेइ
देखिस अउर नाई पहिचानिसि कि ई यीसु हइ।
15यीसु उइते कहिन, मेहरारू, तू काहे रोवति हइ?
कइका ढूंढ़ति हइ? ऊ माली समझि कइ ऊ ते
कहिसि, हे महाराज, अगर तू ऊ का उठाइ लिहिस
हउ तउ मोहिते कहउ कि ऊ का कहां राखिस हइ
अउर हम उइका लइ जाइब।
16यीसु उइते कहिन मरियम! उइक पीछेइ फिरि कइ
ऊ ते इबरान म कहिन, रब्बूनी यानी हे गुरु।
17यीसु उइते कहिन, हमका छुवउ मत काहे ते हम
अबहिन तलक बाप केर पासइ ऊपर नाई गयेन हइ।
पइ हमार भाइन केर पासइ जाइकइ उइते कहि देउ कि
हमार अपन बाप, अउर तोहार बाप अउर परमेसुर केर
पासइ ऊपर केर जाइति हइ।
18मरियम मगदलीनी म जाइ कइ चेलन केर
बताइसि कि हम परभु केर देखेन अउर ऊ मोहिते ई
बातन केर कहिन।

यीसु चेलन केर परगट हुये

19वही दिन जउन हफ्ता केर पहिलु दिनु रहइ सांझ
केर समउ जब उहां केर दरवाजे, जहां चेले रहइ,
यहूदियन केर डर केर मारे बन्द रहइ, तबइ यीसु
आवा अउर बीचइ म खरा होइ कइ ऊ ते कहसि तुइ
का सान्ती मिलइ। 20अउर ई कहिकइ ऊ अपन हाथु
अउर अपनु पंजरु इका दिखाइस, तब चेले परभु केर
देखि कइ खुस भए।
21यीसु फिरि उइते कहन, तुइका सान्ती मिलइ,
जइसइ बापु मोहिका भेजिन हइ, वइसइ हमहूं तुइका
भेजत हइ। 22ई कहिकइ ऊ उइ पर फूंकिस अउर उइते
कहिन पवित्तर आतमा लेउ। 23जिन्ह केर पापन केर
तु माफु करइ उइ माफु किए गये हइ जिनका तुम
राखउ, वइ राखइ गए हइं।

यीसु थोमा केर दिखाय दिहिन

24पर बारहउ म ते याक मनई थोमा, जउन
दिदिमुस कहलावइ हइ जबइ यीसु आवा तउ उइके
साथइ नाइ रहइ। 25जबइ अउर चेले ऊ ते कहइ लाग
कि हम परभु केर देखेन हइ, तबइ ऊ उइते कहिस,
जबइ तलक हम ऊ केर हाथन म कीलन केर छेदन
केर न देखि लेई, अउर कीलन केर छेदन म अपन
अंगुली न डारि लेइ अउर ऊ केर पंजर अपन हाथु
न डारि लेई, तब तलक हम परतीत नाई करबई।
26आठ दिनन केर बादइ ऊ केर चेले फिरि घर केर
भीतरइ रहइ अउर थोमा उइके साथइ रहा, अउर
दुआर बंद रहइ, तबइ यीसु आइ कइ अउर बीचइ म
खरे हुइ कइ कहिन, तोहिका सान्ती मिलइ। 27तबइ
ऊ थोमा ते कहिस, अपन अंगुलिक हिंया लाइकइ
हमार हाथ केर देखउ अउर अपन हाथु लाइ कइ हमरे
पंजर म डारि अउर अबिसुवासी नाई बल्कि बिसवासी
होउ।
28ई सुनिकइ थोमा जबाबु दिहिस, हे हमार परभु
हे हमार परमेसुर।
29यीसु उइते कहिस, तुइ तउ मोहिका देखि कइ
बिसवासु किएउ हइ, धन्य वइ हइं जउन बिनु देखेइ
बिसवासु किहिन।
30यीसु अउरउ चीन्ह चेलन केर समूहे दिखाइनि
जउन ई किताब म लिखेइ नाई गए हइं। 31पइ वइ
ई खातिर लिखे गए हइं, कि तुम बिसवासु करउ कि
यीसु इ परमेसुर केर पुत्तर मसीह हइ, अउर बिसवासु
करि कइ ऊ केर नाम ते जीवनु पावउ।

यीसु अउर एकु अनोखी घटना

21 ई बातनि केर बादइ यीसु अपन आपक
तिविरयास झील केर किनारेइ चेलन पइ
परगट किहिन अउर ई रीति ते परगट किहिन। 2समौन
पतरस अउर थोमा जउन दिदिमुस कहलावति इ,
अउर गलील केर काना नगर केर नतनएल अउर
जबदी केर बेटवा, अउर उइकेर चेलन म ते दुइ अउर
जेन इकट्ठे भए। 3समौन पतरस उइते कहिस, हम
मछरी पककरइक जाइत हइ। उइ ऊ ते कहिन हमहूं
तोहरे साथइ चलत हइ। तउनु तुइ निकर कइ नाव पइ
चढ़े, पइ ऊ राति क कछुन पकरिनि।
4भोर होतइ यीसु किनारे प चढ़ि भवा तउ चेलन
न पहिचानिसि कि ई यीसु हइं।
5तबइ यीसु उइते कहिन, हे बालकउ तोहार पासइ

कछु खाइक हइ? उइ जवाबु दिहिन कि नाई।
6ऊ उइते कहिस, नाउ कि दहिनी ओर जालु
डारउ, त पहिरेउ, तबइ उनहुन जार केर डारिन, अउर
अब मछरिनि कि बहुताइत केर कारन उइका खींचिन
सके।
7ई खातिर ऊ चेला जेहिते यीसु परेम राखत रहइ
पतरस ते कहिस, ई तउ परभु हइं। समौन पतरस ई
सुनिकइ कि परभु हइ, कमर म अंगरखा कसि
लिहिसि, काहे ते ऊ चेला जेहिते यीसु परेम राखत
रहइ पतरस ते कहिस, ई तउ परभु हइं। समौन पतरस
ई सुनिकइ कि परभु हइ, कमर म अंगरखा कसि
लिहिसि, काहे ते ऊ नंगा रहइ, अउर झील म कूदि
परा। 8पइ अउर चेला डोंगी प मछरिन ते भरा भवा
जारु खींचति भए आए, काहे ते वइ, किनारे ते
अधिकइ दूर नाई, कउनउ दुई सउ हाथ प रहइं।
9जवइ किनारे प उतरे, तउ उनहुन कोयले की आग
अउर ऊ पइ मछरी राखि भई अउर रोटी देखिन।
10यीसु उइते कहिन, जउन मछरिन केर तुम अबहीं
पकरसि हइ, उइमा ते कछु लाउ।
11समौन पतरस डोगी प चढ़िकइ याक सौ तिरपन
बड़िय मछरी ते भरा भवा जारु किनारे खींचिनि अउर
इतनी मछरी केर होइते ऊ जारु न फटा। 12यीसु उइते
कहिन, कि आउ भोजनु करउ अउर चेलन म ते
कउनउ हियाबु न भवा कि उइते पूछइ कि तू कउनु
हइ? काहे ते जानति रहइ कि होय न होय ई परभु
हइ। 13यीसु आवा, अउर रोटी लइकइ उइका दिहिन
अउर वइसेइ मछरियउ। 14ई तीसरि बार हइ, कि
यीसु मरे हुअन मते जी उठइ केर बाद चेलन क
दरसन दिहिन।

पतरस केर फिर चुना गवा

15भोजनु करइ केर बादइ यीसु समौन पतरस ते
कहिन, हे समौन यहुन्ना केर बेटवा का तू ई से
बढ़िकइ मोहिते परेम राखति हइ? ऊ उइते कहिसि,
हां परभु तू तउ जानत हऔ कि हम तोसे परेम रखत
हई। ऊ उइते कहिसि हमार मेमनन का चराउ।
16ऊ फिरि दुसरिउ बार ऊते कहिसि, हे समौन
यहुन्ना केर बेटवा का तुइ मोहिते परेम राखति हइ?
ऊ उइते कहिसि, हां परभु तुइ जानति हइ कि हम
तुइते परीति राखति हइ, ऊ उइते कहिसि हमारि
भेड़नि केर रखवाली करेउ।
17ऊ तिसरेउ बार ऊ केर कहिसि, हे समौन यहुन्ना
केर बेटवा का तुइ मोहिते परीति राखति हइ, पतरस
उदासु भवा कि ऊ उइते तिसरउ बार अइस कहिसि,
का तुइ मोहिते परीति राखति हइ? अउर उइते
कहिसि, हे परभु तुइ तउ सबइ कछु जानति हइ कि
हम तुइते परीति राखति हइ। यीसु उइते कहिनि हमार
भेड़न क चराइ लाउ। 18हम तुइते सचइ सच कहति
हइ, जबइ तुम जवान रहइ तउ अपनि कमर बांधि कइ
जइहं चाहति रहइ, उहंइ फिरति रहइ, पइ जब तुइ बूढ़
होई, तउ अपन हाथन केर लम्बेइ केर हइ अउर दूसर
तोरिइ कमरु केर बांधिकइ जहइ तुइन चहिहउ उहंइ
तोहिका लइ जाई। 19ऊ ई बातन ते पता दिहिस कि
पतरसु कइसि मौतु ते परमेसुर कि महिमा करिहइ,
अउर ई कहिहइ, ऊ कहिसि, हमार पाछेइ हुइ लैउ।
20पतरस फिरि कइ चेले केर पाछे आवत देखिसि,
जेहिते यीसु परेम राखति रहइ अउर जउन भोजनु केर
समउ उइकी छाती की ओर झुकि कइ पूछिसि, हे
परभु तोर पकड़इ वाला कउनु हइ? 21उइ का देखि कइ
पतरस यीसु ते कहिसि हे परभु ई का हालु होई हइ?
22यीसु उइते कहिन, अगर हम चाही कि वहु हमरे
आवइ तलक ठहरइ रहइ, तउ तोहिका का? तुइ हमार
पाछे हुई लेउ। 23यहिते भाइन म ई बात फैलि गई
कि ऊ चेला नाई मरिहइं, तऊ यीसु उइते ई नाई
कहिन, कि इव नाई मरि हइ। पइ यहु कि अगर हम
चाही कि ई हमरे आवइ तलक रहइ, तउ तोहिका ई
ते का?
24ई वहइ चेला रहइ, जउन ई बातन की गवाही
देतिहइ अउर जउन ई बातन क लिखिसि हइ, अउर
हम जानति हइ कि उइकी गवाही सच्चिय हइ।
25अउरउ बहुतइ काम हइ, जउन यीसु किएनि, पइ
इ याकइ याक कइके लिखेइ जाति हइ, तउ हम
समझिति हइ, कि किताबु जउन लिखिइ जाति, ऊ
जगतउ म नहि समावत।